राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 21अगस्त 2023 वर्ष–6,अंक–210 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लोग कह रहे हैं कि चीनी सेना हमारे इलाके में घुस गई है, लद्दाख में राहुल गांधी का बड़ा दावा

राहुल गांधी ने कहा, यहां चिंता की बात यह है कि चीन ने हमारी जमीन छीन ली है। लोगों का कहना है कि चीन की सेना इलाके में घुस आई है। उनकी चरागाह जमीन छीन ली गई है।

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी इन दिनों लेह-लद्दाख की यात्रा पर है। अपने पिता राजीव गांधी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने का बाद उन्होंने बड़ा बयान दिया। राहुल गांधी ने कहा, %%यहां चिंता की बात यह है कि चीन ने हमारी जमीन छीन ली है। लोगों का कहना है कि चीन की सेना इलाके में घुस आई है। उनकी चरागाह जमीन छीन ली गई है, लेकिन पीएम ने कहा कि एक इंच जमीन नहीं छीनी गई, लेकिन यह सच नहीं है। आप यहां किसी से भी पूछ सकते हैं।÷

राहुल गांधी ने आगे कह, लद्दाख के लोगों की बहुत सारी शिकायतें थीं, वे उस दर्जे से खुश नहीं हैं जो उन्हें दिया गया है। वे प्रतिनिधित्व चाहते हैं। यहां बेरोजगारी की समस्या है। लोग कह रहे हैं कि राज्य को नौकरशाही द्वारा नहीं चलाया जाना चाहिए, राज्य को लोगों की आवाज से चलाया जाना चाहिए।

आपको बता दें कि इससे पहले राहुल गांधी ने अपने पिता राजीव गांधी की जयंती की पूर्व संध्या पर शनिवार को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में लेह से पैंगोंग झील तक मोटरसाइकिल की सवारी की। वह लद्दाख के दौरे पर हैं। यह अगस्त 2019 में जम्मू कश्मीर को दो हिस्सों में बांटने और जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के बाद इस क्षेत्र का उनका पहला दौरा है। राहुल अगले सप्ताह करगिल का दौरा कर सकते हैं।

राहुल गांधी ने लेह से पैंगोंग तक अपने मोटरसाइकिल सफर की कई तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस शीर्षक के साथ साझा कीं, पैंगोंग झील जाने के रास्ते में जिसके बारे में मेरे पिता कहा करते थे, यह दुनिया की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है।

सोमवार को जा सकते हैं करगिल

राहुल गांधी नुब्रा घाटी में रात्रि विश्राम के लिए रविवार को मोटरसाइकिल पर रवाना हो रहे हैं। रास्ते में गांधी दुकानदारों और किसानों सहित आम लोगों से मिल सकते हैं। राहुल सोमवार को लेह वापस आएंगे। हालांकि इस दौरे को लेह में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने गैर-राजनीतिक बताया, जिसका अगले साल के संसदीय चुनाव से कोई संबंध नहीं है, लेकिन गुरुवार को राहुल गांधी के आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। राहुल गांधी ने दो स्थानीय क्लब के बीच फुटबॉल मैच देखने के अलावा पार्टी सहयोगियों के साथ बैठक की और युवाओं से बातचीत की। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि राहुल सोमवार या मंगलवार को करगिल जिले का दौरा करेंगे और उनके वहां पार्टी कार्यकर्ताओं और लोगों, विशेषकर युवाओं से बातचीत करने की संभावना है।

सरकारी योजनाओं का असर लोगों में आने लगा नजर

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की दूरदर्शी सोच के साथ प्रदेश में लाई गई राज्य सरकार की जनहित की योजनाओं का असर अब लोगों में नजर आने लगा है और वेसरकार की प्रशंसा करने लगे हैं।

सरकार की चाहे मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना हो या पुरानी पेंशन योजना, स्वास्थ्य का अधिकार, मुख्यमंत्री निशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना या इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना सहित कई योजनाओं के माध्यम से इनके पात्र लोगों के लाभान्वित होने का सिलसिला लगातार जारी है और और लाभान्वित सहित विभिन्न वर्गों के लोग लगातार मुख्यमंत्री से मिलकर उनका आभार जता रहे वहीं लाभान्वित लोग श्री गहलोत की सराहना में कसीदे पढ़ना एवं प्रशंसा करते नहीं थक रहे हैं।

श्री गहलोत भी लगातार अपनी योजनाओं का जनता में फीडबैक ले रहे हैं और पिछले दिनों उनके पैरों के दोनों अंगूठों में चोंट लगने के कारण चल नहीं पाने के बावजूद व्हील चेयर की मदद से भी लगातार अपने आवास मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कायम रखा और लाभार्थियों से मिलकर यह भी पता लगाया कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तव में लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं। इस योजनाओं के लाभार्थियों का मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहना है कि यह पहली बार देखने को मिल रहा है कि मुख्यमंत्री स्वयं लाभार्थियों से सीधा संवाद कायम कर पूछ रहे हैं कि योजना का लाभ मिल रहा है या नहीं। इससे जहां लाभार्थी बहुत प्रसन्न नजर आये वहीं सरकारी योजनाओं का लोगों पर असर साफ नजर आने लगा है। सरकारी योजनाओं को लेकर जनता से मिल रहे फीडबैक से श्री गहलोत भी काफी खुश हैं और वह अब हर मौके पर कहने लगे हैं कि उन्हें इस बात की बहुत प्रसन्नता है कि राज्य सरकार की योजनाओं से लोग लाभान्वित हो रहे हैं और इनका असर राजस्थान के बाहर भी देखने को मिल रहा है तथा राजस्थान ने अनेक मामलों में पहल की है और कई राज्यों को दिशा दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ी विजय है। राज्य सरकार द्वारा इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना के तहत चिरंजीवी परिवार की महिलाओं एवं छात्राओं को स्मार्ट फोन का वितरण किया जा रहा है

'लैंडिंग के लिए तैयार रहें!', केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इसरो की तस्वीर शेयर कर कहा– उल्टी गिनती शुरू

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर मॉड्यूल ने आज अपने दूसरे और अंतिम डी-ऑर्बिटिंग को पूरा कर लिया है। इसरो ने सोशल मीडिया पर एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इसकी जानकारी दी। इसरो ने बताया कि लैंडर मॉड्यूल के दूसरे और आखिरी चरण में बदलाव के बाद चांद से इसकी दूरी और कम हो गई है और लैंडर मॉड्यूल और 25 किमी ×134 किमी की दूरी पर चांद से ओर भी बेहद करीब आ गया है।

'लैंडिंग के लिए तैयार रहें!'

ISRO के मुताबिक, चंद्रयान-3 लैंडर मॉड्यूल के 23 अगस्त, 2023 को 5 बजकर 45 मिनट पर चांद की सतह पर उतरने की उम्मीद है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी लैंडर मॉड्यूल के चांद पर लैंड करने को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट

जारी किया है।

उन्होंने X (पूर्व में ट्विटर) में लिखा, 'चंद्रयान 3 मिशन 'लैंडिंग के लिए तैयार रहें! चंद्रयान 3 का अंतिम डीबूस्टिंग ऑपरेशन सफलतापूर्वक लैंडर मॉड्यूल कक्षा को 25 किमी × 134 किमी तक कम हो गया है। जैसे ही लैंडर मॉड्यूल चांद के करीब पहुंचेगा वैसे ही उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी।'

14 जुलाई को लॉन्च हुआ था चंद्रयान-3

उल्लेखनीय है कि चंद्रयान-3 को 14 जुलाई को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया था। इसने 5 अगस्त को चंद्र कक्षा में प्रवेश किया था। इसरो चंद्रमा पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग करने के लिए प्रयास कर रहा है, जिससे भारत, अमेरिका, रूस और चीन के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा।

बिहार में खुलेआम गुंडागर्दी

सरकारी ऑफिस में घुसकर अधिकारी पर तानी पिस्टल, रंगदारी नहीं देने पर बेल्ट से पीटा

जहानाबाद। जहानाबाद के कंसुआ पंचायत भवन में उस समय अफरातफरी मच गई। जब एक अपराधी ने भू-सर्वे अमीन और कानूनगो पर पिस्टल तान दिया और जमकर पिटाई की। मारपीट में घायल अमीन एवं कानूनगो ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रतनी फरीदपुर पहुंच इलाज कराया। घटना को लेकर समस्तीपुर जिले निवासी विशेष सर्वेक्षण अमीन बालमुकुंद ने बाडू यादव उर्फ ओम प्रकाश कुमार सहित 10 से 12 लोगों के खिलाफ शकुराबाद थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है

अमीन-कानूनगों पर तानी पिस्टल-मालूम हो कि पंचायत भवन में भू-सर्वेक्षण से सम्बंधित शिविर कार्य कई महीनों से चल रहा है। अमीन ने बताया कि शनिवार को शिविर में अपराधियों ने पहुंचकर विशेष सर्वेक्षण अमीन से गाली गलौज किया व रंगदारी देने को कहा। विरोध करने पर उनके अलावा कानूनगो गौरव मौर्य के साथ मारपीट कर गोली मारने के लिए पिस्तौल तान दी और रंगदारी की मांग की। अपराधियों ने कहा कि तुम

हमारे क्षेत्र में काम कर रहे हो। बिना हमसे पूछे अगर काम करोगे तो तुम्हें जान से हाथ धोना पड़ेगा। जब अमीन ने कहा कि अगर कोई आपत्ति है तो लिखित रूप में दें। इसके बाद वह भड़क गया और बाहर खड़े अपने 10 से 12 सहयोगियों को बुला लिया और कुर्सी खींच व बेल्ट से अमीन के साथ मारपीट करने लगा।

पिस्टल के दम पर मांगी रंगदारी-मारपीट के दौरान साथ में कार्य कर रहे पूर्व शिविर प्रभारी गौरव मौर्य पहुंचे उनके साथ भी अपराधियों ने मारपीट किया और कमर से हथियार निकालकर तान दिया और कहा कि यहां काम करना होगा तो तुम्हें रंगदारी देना होगा। जब अपराधी को पुलिस के आने की भनक लगी तो वे भाग निकले। घटना की सूचना पाकर शकुराबाद थाने की पुलिस वहां पहुंची और मामले की छानबीन की।

कुछ दिन पहले जेल से रिहा हुआ है आरोपी-अमीन ने बताया कि जब से मैं यहां कार्य करने आया हूं तब से वह मुझे परेशान करते रहा है। पूर्व में भी अपने जमीन के सर्वे को लेकर कई बार गाली गलौज व हाथापाई कर चुका है। मालूम हो कि ओमप्रकाश उर्फ बाढू यादव के खिलाफ शकूराबाद और बेला थाना सहित अन्य थाने में लूट, चोरी आदि के मामले दर्ज हैं। आरोपी कुछ दिन पूर्व ही रिहा हुआ है। इधर, थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि जल्द ही अपराधियों को पकड़ लिया जाएगा।

दिल्ली के इन दो प्रसिद्ध मंदिर में लागू हुआ ड्रेस कोड

ऐसे कपड़े पहने तो एंट्री होगी बैन

नई दिल्ली। दिल्ली के मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए मर्यादित कपड़े पहनकर आने को लेकर सूचना पट्ट लगाए जा रहे है। झंडेवाला देवी मंदिर और कालकाजी मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए ऐसी सूचना लगा दी गई है। कालकाजी मंदिर में श्री कालकाजी मंदिर प्रबंधक सुधार कमेटी द्वारा मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं के पहनावे को लेकर निर्देश दिए गए है। इसको लेकर मंदिर में बोर्ड भी लगाया गया है। जिस पर लिखी सूचना के अनुसार सभी महिलाओं एवं पुरुषों से निवेदन है कि मर्यादित वस्त्र पहनकर ही मंदिर में प्रवेश करें। छोटे वस्त्र, हाफ पैंट, बरमूडा, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट, कटी-फटी जींस आदि ऐसे कपड़े पहनकर आने पर बाहर से ही दर्शन करके सहयोग करें। भारतीय संस्कृति का पालन करते हुए सात्विक वस्त्र में ही मंदिर में प्रवेश करें। झंडेवाला देवी मंदिर में भी ऐसा ही बोर्ड लगा दिखा। जिस पर

लिखा है कि मंदिर आने वाले सभी भक्तों से अनुरोध है कि मंदिर की मर्यादा के अनुसार ही वस्त्र पहन कर आएं। उधर, छतरपुर मंदिर के पदाधिकारी ने कहा कि उनके यहां पर अभी मर्यादित कपड़े पहनकर आने को लेकर कोई बोर्ड नहीं लगाया गया है। लेकिन अगर कोई अमर्यादित कपड़े पहनकर आता है तो उसे टोक देते है।

घोसी उपचुनाव में भाजपा-सपा की सोशल इंजीनियरिंग दांव पर

मुख्तार के गढ़ में इस बार मुस्लिम वोटों की सेंधमारी

लखनऊ। घोसी के चुनावी रण में भाजपा और सपा की सोशल इंजीनियरिंग का इम्तहान है। दलित और मुस्लिम मतदाताओं की बहुलता वाली इस सीट के उपचुनाव पर सबकी निगाहें हैं। बसपा के चुनावी मैदान में न उतरने से भगवा खेमा उत्साहित है। परंपरागत वोट बैंक के साथ भाजपा की कोशिश मुस्लिमों के बीच मिशन पसमांदा को आगे बढ़ाने की भी है। ऐसे में बाहुबली मुख्तार अंसारी के प्रभाव वाले इलाके में सपा के सामने मुस्लिमों में सेंधमारी रोकने की भी चुनौती है। घोसी के चुनावी अखाड़े में अब भाजपा और सपा के बीच

आमने-सामने की लड़ाई है। बसपा और कांग्रेस ने इस उपचुनाव से किनारा कर लिया है। भाजपा ने पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान के रूप में दलित (नूनिया) तो सपा ने सुधाकर सिंह के रूप में अगड़े चेहरे पर दांव लगाया है। भाजपा का प्रयास यहां पसमांदा में सेंध लगाने के साथ ही सपा को माय (मुस्लिम-यादव) समीकरण में समेटने का है। दलित प्रत्याशी देने वाली भाजपा की कोशिश बसपा की गैरहाजिरी में उसके वोट बैंक को भी अपने पाले में खींचने की है।

पसमांदा पर किया सरकार से संगठन तक निवेश

भाजपा काफी समय से पसमांदा मुस्लिमों में पैठ बढ़ाने को प्रयासरत है। केंद्र और प्रदेश की योजनाओं का लाभ देने की बात हो या सरकार और संगठन में प्रतिनिधित्व, पार्टी ने हर जगह दरियादिली दिखाई है। अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि योगी-1.0 में सरकार में मुस्लिम चेहरे के रूप में मोहसिन रजा शामिल थे। मगर योगी-2.0 में उनकी जगह पसमांदा समाज से आने वाले दानिश अंसारी ने ले ली। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तारिक मंसूर को पार्टी ने सिर्फ एमएलसी ही नहीं बनाया, सीधे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी बना दिया। वहीं सपा के सामने उपचुनाव में अपनी इस सीट को बरकरार रखने की चुनौती है।

अब कर बरसा, पर सावन में रूठे बदरा; इतिहास का हो सकता है सबसे सूखा अगस्त

नई दिल्ली। पहाड़ी राज्यों में मॉनसूनी बारिश के कहर के बीच मौसम विभाग ने देश के अन्य हिस्सों में कम बारिश को लेकर चिंता व्यक्त की है। मौसम अधिकारियो ने मॉनसून को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। 14 साल में सबसे लंबे 12 दिवसीय ब्रेक से बाहर आने के बाद मॉनसून 21 से 28 अगस्त तक एक और कमजोर चरण में जा सकता है। इस महीने अभी तक देश भर में पहले से ही 36 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। शीर्ष मौसम विशेषज्ञों ने चिंता व्यक्त की है कि अगस्त 2023 भारतीय इतिहास में रिकॉर्ड सबसे शुष्क महीने में एक बन सकता है।

अनुभवी मौसम विज्ञानी और केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव एम राजीवन का कहना है कि अगस्त 2023 में संभावित रूप से लगभग 40 प्रतिशत वर्षा की कमी हो सकती है, जो 2005 में दर्ज 25व की कमी (1913 के बाद से इतिहास में सबसे शुष्क अगस्त) से अधिक है। राजीवन ने कहा कि अल नीनो का असर भारत के मॉनसून पर पहले से ही दिखने लगा है। उन्होंने कहा, मॉनसून में लंबे समय तक रुकावट दौरान देश के अधिकांश क्षेत्रों में बारिश बेहद कम हुई है, बड़े पैमाने पर कारकों के काम करने का संकेत है। यह अल नीनो का एक विशिष्ट प्रभाव है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगस्त माह खत्म होने में हालांकि अब सिर्फ

10 दिन ही बचे हैं लेकिन, देश भर 36 प्रतिशत की वर्षा कम हुई है। दक्षिण हिस्से की बात करें तो यहां 66 प्रतिशत कम बारिश हुई है। जबकि उत्तर पश्चिम भारत में 45 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

क्या कहते हैं मौसम वैज्ञानिक

मौसम वैज्ञानिकों के ऐतिहासिक डेटा के मुताबिक, अल नीनो के दौरान भारत में सितंबर में बारिश की कमी की एक महत्वपूर्ण संभावना है। उन्होंने कहा, सितंबर में 10 प्रतिशत या उससे अधिक की कमी की 87 प्रतिशत संभावना है। उत्तर पश्चिमी राज्यों में यह कमी 20 प्रतिशत या उससे अधिक 47 प्रतिशत कम होने की संभावना है। स्काईमेट के उपाध्यक्ष जी पी शर्मा ने कहा कि 2005, 2009 और 2021 वर्ष के दौरान अगस्त महीना पिछले 18 वर्षों में सबसे शुष्क थे।

देश के इन हिस्सों में अच्छी बारिश

इस साल का अगस्त महीना ऐतिहासिक शुष्क महीने में शामिल हो सकता है। वर्तमान निम्न दबाव प्रणाली जल्द ही मॉनसून को हिमालय की तलहटी की ओर स्थानांतरित कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप केवल पूर्वी और उत्तरपूर्वी भारत के साथ-साथ तलहटी के पास के क्षेत्रों में अच्छी वर्षा होगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों से पता चलता है कि देश में अगस्त में लगभग 36 प्रतिशत बारिश की कमी एक दुर्लभ घटना है।

पहले कब पड़ा ऐसा सूखा

इससे पहले साल 2009 का अगस्त महीना भी गंभीर सूखा रहा था। उस वर्ष अगस्त माह में वर्षा 192.5 मिमी दर्ज हुई थी, जबकि 2005 में यह 190.1 मिमी था। इस साल 1-19 अगस्त तक देश में कुल बारिश 106.2 मिमी रही है, जबकि सामान्य बारिश का औसत 166 मिमी है।

सूखे की वजह-मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मॉनसून के अपने सामान्य मार्ग से भटकने को प्रशांत महासागर में एक मजबूत अल नीनो घटना के उद्भव के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। अल नीनो का मॉनसून पैटर्न को बाधित करने और प्रत्याशित मौसमी वर्षा को बाधित करने का इतिहास रहा है। इससे मानसून गर्त अपनी नियमित स्थिति में बहाल हो जाता है, जो विराम के दौरान हिमालय की तलहटी में स्थित हो जाता है। हालांकि, यह मॉनसून की ताकत को पूरी तरह से बहाल करने में विफल रहा है। जबकि भारत के अधिकांश हिस्सों में जल्द ही सामान्य से नीचे का एक और चरण शुरू होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तबाही के सबक

इस साल का मानसून हिमाचल में जिस कदर कहर बनकर बरपा है, वह अप्रत्याशित व भयावह है। दरअसल, मीडिया व पर्यावरणविद् लंबे समय से जिस ग्लोबल वार्मिंग व पर्यावरणीय संकट के प्रति चेता रहे थे, उसने अब हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। मंडी से लेकर शिमला तक तबाही का जो मंजर सोशल मीडिया व परंपरागत समाचार माध्यमों में दिखा है उसने शेष देश के लोगों को भी व्यथित किया है। पंद्रह अगस्त को शिमला में समरहिल की त्रासदी ने हर किसी को दुख से भर दिया। वहीं जगह-जगह बहुमंजिली इमारतों के ढहने के दृश्यों ने लोगों के रोंगटे खड़े कर दिये। बताते हैं कि इस मानसून सीजन में हिमाचल में बादल फटने, अतिवृष्टि-भूस्खलन आदि में मरने वालों का आंकड़ा पौने तीन सौ को पार कर गया है। अभी काफी लोग लापता हैं। भूस्खलन की सैकड़ों घटनाएं हुई हैं। राज्य को होने वाले आर्थिक नुकसान का आकलन सात हजार करोड़ से अधिक किया गया है। वास्तविक स्थिति का आकलन दूरदराज के इलाकों से नुकसान की अंतिम सूचना आने के बाद होगा। उफनती नदियां, गरजते बरसाती नाले और दरकते पहाड़ लोगों को भयाक्रांत बना रहे हैं। हिमाचल व उत्तराखंड में लगातार बादल फटने की घटनाएं भयभीत कर रही हैं। यह कुदरत का बदला मिजाज क्यों कहर बरपा रहा है, इसकी तार्किक व्याख्या जरूरी है। पहले बादल फटने की घटनाएं कम ही सुनने में आती हैं। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि जिन इलाकों में बांधों का निर्माण होता है वहां पर्यावरण में असामान्य आर्द्रता बादल फटने की प्रक्रिया को अंजाम देती है। बहरहाल तय है कि बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है। कम समय में अधिक तेज बारिश पहाड़ों को खोखला कर रही है। वहीं तंत्र की काहिली और विकास में भ्रष्टाचार की कलई भी बारिश खोलती है। गुणवत्ता से समझौता और भौगोलिक जरूरतों के अनुरूप सार्वजनिक निर्माण का न होना भी नुकसान की वजह बनता है। यही वजह है कि अंग्रेजों के समय के कई निर्माण जस-के-तस खड़े हैं और बाद के पुल नदियों में बहते नजर आते हैं। बहरहाल, यह तबाही देश के पहाड़ी राज्यों के लिये सबक लेकर आई है। जनसंख्या के बोझ से दबे पहाड़ी इलाके बहुमंजिला इमारतों के अतिरिक्त बोझ को उठाने में सक्षम नहीं हैं। अंग्रेजों के जमाने में पर्वतीय टूरिस्ट स्थलों में आवासीय भवनों के लिये सीमित मंजिलों के निर्माण की ही अनुमति थी। उनकी छतें हल्की होती थीं। खुद को सर्वशक्तिमान समझने वाले मनुष्य को बोध होना चाहिए कि इंसान को पहाड़ पर चढ़ते वक्त झुकना होता है। शिमला व मसूरी जैसे हिल स्टेशन शहरी विलासिता का बोझ उठाने में सक्षम नहीं हैं। हिमाचल व उत्तराखंड के हिमालयी पहाड़ अपेक्षाकृत नये और विकास का अनियंत्रित बोझ उठाने की दृष्टि से संवेदनशील हैं। अनियोजित विकास और व्यावसायिक तथा निर्माण कार्यों के लिये पेड़ों के कटान ने पहाड़ों की उस परत को नष्ट किया है जो तेज बारिश से भूस्खलन को रोकती थी। वहीं नीति नियंताओं ने इन पहाड़ी राज्यों में फोर लेन हाईवे और ऑल वैदर रोड बनाने का जो फैसला लिया, उसने कमजोर पहाड़ों की बुनियाद खोखली कर दी। पहाड़ों को अवैज्ञानिक तरीके से काटा गया। जिससे पहाड़ का आधार कमजोर होने से वे भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील हो गये। दरअसल, वातानुकूलित कमरों में बैठकर पहाड़ों की विकास योजनाओं को बनाने वाले यह भूल जाते हैं कि विकास का मैदानी फार्मूला पहाड़ों में नहीं दोहराया जा सकता।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

शिमला जैसे खतरे की ज़द में हैं कई शहर

जयसिंह रावत

अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि एक छोटा-सा शिमला इतने अधिक लोगों और उनकी असीमित जरूरतों के बोझ को कब तक ढो सकेगा? आबादी बढ़ने के साथ ही नगर का विस्तार हो रहा है। जिसके लिये हरियाली और खास कर वृक्षों का पातन और उनकी जगह इमारतों के जंगल उग रहे हैं। नतीजतन अत्यधिक बोझ के कारण जमीन मकानों समेत खिसक रही है। संकट केवल शिमला का नहीं है। हिमालय के लगभग सभी शहरों की स्थिति शिमला जैसी ही है।

कभी जम्मू-कश्मीर तो कभी हिमाचल प्रदेश और कभी उत्तराखण्ड में दैवी आपदाओं की होड़ लगी है। ये आपदायें प्रकृति की नाराजगी के स्पष्ट संकेत हैं जिन्हें हम पढ़ नहीं पा रहे हैं। यहां तक कि अपने ही वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों की चेतावनियों की अनदेखी की जा रही है। जिसका दुष्परिणाम हम जोशीमठ और शिमला में देख रहे हैं। इससे पहले प्रकृति का रौद्र रूप हम 2013 में केदारनाथ में देख चुके हैं। अमरनाथ में भी 1996 और 2012 में देख चुके हैं। नैनीताल में सन् 1880 में हुए भूस्खलन में 151 लोगों के कालग्रस्त होने का इतिहास हम नहीं भूले हैं। अब वहां बनिया नाला लोगों को बेचैन कर रहा है। भूस्खलन की जो भयावह तस्वीर शिमला की नजर आयी वैसी ही आशंका पहाड़ों की रानी मसूरी में भी नजर आ रही है। सन् 1864 में जब अंग्रेजों ने शिमला को अपनी ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया था तो उसकी आबादी मात्र कुछ सैकड़ा में थी। आजादी के बाद हुई जनगणना में वहां की आबादी 46,150 दर्ज हुई जो कि हिमाचल प्रदेश के पूर्ण राज्य घोषित होने पर 1971 में 56,032 हो गयी। अब तक की नवीनतम 2011 की जनगणना में वहां की जनसंख्या 1,69,578 हो गयी। सन् 2011 में मात्र 36 वर्ग किमी में फैले शिमला शहर का जनसंख्या घनत्व 4,800 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी हो चुका था। शिमला नगर निगम के रिकार्ड के अनुसार इस छोटे से क्षेत्रफल में 34 वार्ड और 46,306 घर हैं। फिलहाल देश में नयी जनगणना तो नहीं हुई मगर शिमला की वर्तमान जनसंख्या 2.32 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि एक छोटा-सा शिमला इतने अधिक लोगों और उनकी असीमित जरूरतों के बोझ को कब तक ढो सकेगा? आबादी बढ़ने के साथ ही नगर का विस्तार हो रहा है। जिसके लिये हरियाली और खास कर वृक्षों का पातन और उनकी जगह इमारतों के जंगल उग रहे हैं। नतीजतन अत्यधिक बोझ के कारण जमीन मकानों समेत खिसक रही है। संकट केवल शिमला का नहीं है। हिमालय के लगभग सभी शहरों की स्थिति शिमला जैसी ही है। जोशीमठ हमारे सामने शिमला से भी ज्वलंत उदाहरण बनकर सामने आ गया था। इसरो और रिमोट सेंसिंग एजेंसी द्वारा इसी साल फरवरी में भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील भारत के जिन 147 जिलों का एटलस जारी किया गया है उनमें 108 जिले केवल हिमालयी राज्यों के हैं। जिनमें सभी 13 जिले उत्तराखंड के तथा हिमाचल प्रदेश के 12 में से 10 जिले हैं। इसी तरह जम्मू-कश्मीर के भी 8 जिले संवेदनशील जिलों की सूची में इसरो ने शामिल किये हैं। संवेदनशीलता की दृष्टि से शिमला जिला 61वें नम्बर पर है। जबकि उससे कहीं अधिक संवेदनशील मंडी, हमीरपुर, बिलासपुर, चम्बा और किन्नौर जिले हैं। जब ये स्थिति हम शिमला की देख रहे हैं तो उसी हिमाचल के बाकी संवेदनशील जिलों पर मंडराते खतरे की कल्पना की जा सकती है। इसरो और रिमोट सेंसिंग के नवीनतम भूस्खलन संवेदनशीलता एटलस पर गौर करें तो उत्तराखंड की स्थिति बेहद चिंताजनक नजर आती है। भूस्खलन की दृष्टि से देश के सर्वाधिक संवेदनशील जिलों में उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग और टिहरी जिले हैं, जिन्हें नम्बर एक और दो पर रखा गया है। सन् 1998 में केदारघाटी के मनसूना और गौंडार क्षेत्र में कई गांव खिसक गये थे। उसी साल 18 अगस्त को पिथौरागढ़ के मालपा में हुए भूस्खलन में प्रोतिमा बेदी समेत लगभग 200 मानसरोवर यात्री और अन्य लोग मारे गये थे। शिमला और जोशीमठ भविष्य के लिए प्रकृति की गंभीर चेतावनी है। इन दो नगरों की ही जैसी बाकी पहाड़ी नगरों की कहानी है। आर्थिक गतिविधियों के कारण पर्यटन, तीर्थाटन के महत्व के चलते छोटे कस्बों में आसपास के गांवों की ओर जनसंख्या आकर्षित होने लगी और ये कस्बे धीरे-धीरे नगरों में बदलने लगे। प्रशासनिक दृष्टि से ब्लाक, तहसील और जिला मुख्यालयों में जन-सुविधाओं और आर्थिक कारणों से जनसंख्या बढ़ने लगी तो ये छोटे कस्बे भी नगर और महानगर बनने लगे। लेकिन इस तेजी से हो रहे नगरीकरण पर शासन-प्रशासन आंखें मूंदता गया और नगरों के सुनियोजित विकास के लिए मास्टर प्लान या नगर नियोजन की जरूरत नहीं समझी गयी। दरअसल, ये जितने भी पहाड़ी नगर हैं वे पहाड़ से आये भूस्खलनों पर बसे हुए हैं, जिनकी धारक क्षमता सीमित है। इनमें से कुछ भूस्खलन सक्रिय रहे तो कुछ सुप्त हो गये जो कि अब जनसंख्या के दबाव में जाग्रत हो रहे हैं। उत्तरकाशी का वरुणवत बड़ी मुश्किल से थमा है। नगरों की जमीन के ऊपर इमारतों के जंगलों का बोझ और बिना सीवरलाइन के इमारतों का मलजल सोकपिटों के माध्यम से धरती के अंदर जाने से पहाड़ी नगरों के नीचे दलदल होता गया, जैसा कि जोशीमठ में हुआ। सरकारों द्वारा जनसंख्या को एक ही कमजोर स्थान पर केन्द्रित होने से रोकने के लिये नये नगर या गांव नहीं बसाये गये। जो बेहद चिंताजनक स्थिति आज शिमला की है उससे अधिक नाजुक स्थिति मसूरी की है। संवेदनशीलता में शिमला 61वें नम्बर पर है जबकि देहरादून का रैंक 29वां है जहां मसूरी है। निःसंदेह इस हालात में कभी भी मसूरी और नैनीताल में भी खतरनाक स्थिति पैदा हो सकती है। शिमला की तरह मसूरी और नैनीताल को भी अंग्रेजों ने ही पहाड़ियों पर बहुत सीमित जनसंख्या के लिए बसाया था। उत्तराखंड आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा कराये गये एक अन्य अध्ययन के अनुसार मसूरी के केम्प्टी फॉल, लाल टिब्बा और भट्टाफॉल सर्वाधिक खतरे वाले क्षेत्र हैं। इसका कारण भूवैज्ञानिक सुशील खंडूड़ी ने टेक्टॉनिक डिसकंटिन्युटी और तीव्र अस्थिर ढलान माना है। इस अध्ययन में भट्टाघाट और लाल टिब्बा के उत्तर पश्चिम क्षेत्र को भूस्खलन के लिये अत्यधिक संवेदनशील बताया गया है, जबकि कंपनी गार्डन के उत्तर, लाल टिब्बा के उत्तर पूर्व, जबरखेत के पश्चिम और क्यारकुली के दक्षिण पश्चिम के क्षेत्र उच्च संवेदनशीलता में माने गये हैं। इन क्षेत्रों में अक्सर भूस्खलन होते रहते हैं। इसी प्रकार परी टिब्बा, जबरखेत, क्यारकुली एवं भट्टा के पश्चिमी क्षेत्र, बार्लोगंज के उत्तर पश्चिम और खट्टापानी के उत्तर पूर्वी क्षेत्र को मध्यम दर्जे की संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है।

इस अध्ययन में मसूरी क्षेत्र के 31.6 प्रतिशत क्षेत्र को मध्यम जोखिम या संवेदनशील श्रेणी, 21.6 प्रतिशत उच्च संवेदनशील श्रेणी और 1.7 प्रतिशत क्षेत्र को अति संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। अंग्रेजों द्वारा बसाये गये मसूरी और शिमला की ही तरह नैनीताल की स्थिति है। नैनीताल में सबसे बड़ा भूस्खलन 18 सितंबर, 1880 को हुआ था, जिसमें 151 लोग मलबे के नीचे दब कर मर गये थे, जिनमें लगभग सभी यूरोपियन ही थे। इस विनाशकारी भूस्खलन से पहले वहां लगातार 40 घंटों तक 25 इंच (510 मिमी) से 35 इंच (890 मिमी) तक अतिभारी वर्षा हुई थी। यह शहर पहले ही मानवीय बोझ तले दबा जा रहा था उस पर हाइकोर्ट का बोझ डालकर इसका लगभग कचूमर ही निकल गया।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दवा कम्पनी व्यापारी और डॉक्टर के त्रिकोण में फंसा मरीज

(लेखक- विनोद तकियावाला)

आदिकाल से श्रृष्टि के श्रृजन में पर्यावरण का महत्वपूर्ण योगदान है। जब विज्ञान का नही था तब आदिकाल में मानव सभ्यता का विकाश नही हुआ था,तब कबीले में मानव जंगल के प्राकृतिक बतावरण रहा करते थें।शैने शैने मानव जीवन में अपनी आवश्यकताओ की पूर्ति हेतु ज्ञान विज्ञान का अवलम्बन लेकर विकाश की नई गाथा लिखना प्रारम्भ कर दिया! समय का चक्र घुमता गया है। अन्धाधुंद विकाश के नाम विनाश रूपी दैत्य का जन्म हुआ ।कालान्तर इन्होने अपना विकाराल रूप धारण करके मानव के लिए बाधाएं उत्पन्न कर ने लगा। धीरे धीरे मानव अपने प्रकृति व पर्यावरण से दूर होते गए।आज भले मानव विज्ञान के सहारे भले ही जमींन से चाँद सितारे की दुर को नाप सकते है। वही दुसरी ओर हमारा जीवन दुबर हो गया।विकाश के नाम पर विशालकाय कंरीट के जंगलअवैध खनन,जंगल के अंधाधुन कटाई के कारण प्राकृतिक संतुलन बिगड गया। सम्पूर्ण मानव जाति आज प्रकृति के बदलते हुए मियाज से जलवायु परिवर्तन से जुझ रहा है। परिणाम स्वरूप प्राकृतिक प्रकोप के कारण आये दिनो भुकम्प ,बाढ़-सुखाढ,अनेक संक्रामक बीमारीयों का उदाहरण आये दिनों देखने को मिलता है।वै श्विक महामारी कोरोना संकट इसका सबसे बडा उदाहरण है।प्रकृति में संतलुन बनाये रखने पेड़ पौधे -अथार्त वन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।विगत दिनों केन्द्र सरकार ने इस क्षेत्र सहराणीय कदम उठाया गया है। आप को बता दे कि विगत दिनो अमित शाह केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने ग्रेटर नोएडा के सुत्याना ग्राम स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल(सी आर पी एफ)ग्रुप सेंटर में चार करोड़वां पौधा लगाया है।इस अवसर उन्होंने सीआरपीएफ के 8 परिसरों में नवनिर्मित 15 भवनों का ई-उद्घाटन भी किया। अमित शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम देश भर में 5 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य जरूर पूरा करेंगे।जलवायु परिवर्तन और ओजोन लेयर में बढ़ते छेद को रोकने के लिए पौधारोपण सबसे बड़ा हथियार है।इस अवशर पर कार्यक्रम स्थल पर मौजूद सीआरपीएफ के अधिकारियों,जवानों को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि सीआरपीएफ ने पर्यावरण संरक्षण में आज एक मील का पत्थर स्थापित किया है।कई लोग कहते थे कि पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा नहीं होगा। लेकिन केन्द्र सरकार,सीआरपीएफ के सहयोग से आज 4 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं जो धरती को हरा-भरा कर रहे हैं।जब हम पौधे लगाते हैं तो कई सालों से कई पीढियां उसका लाभ उठाती हैं।उन्होनें ने कहा कि ओजोन लेयर में निर्मित हो रहे छेद के खतरे को रोकने के लिए तथा पृथ्वी को बचाने के लिए एकमात्र रास्ता पौधारोपण है।इसअभियान के तहत पूरी रिसर्च करके पौधे लगाए जा रहे हैं।जो पौधे सबसे ज्यादा ऑक्सीजन देने वाले तथा कई सालों तक चलने वाले हैं।उन्हीं पौधों को लगाया जा रहा है जिसमें पीपल का वृक्ष बेहद महत्वपूर्ण है।शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को कई क्षेत्रों में विकसित और आत्मनिर्भर बनाया है।जलवायु परिवर्तन व ग्लोबल वॉर्मिंग के विरूद्ध लड़ाई में भारत को मुखिया बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री को जाता है।भारत सरकार ने फ्रांस के साथ सोलर एलाइंस के लिए भी समझौता किया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया के सामने भारत की पारंपरिक जीवन शैली को रखा है।भारत सरकार द्वारा नेशनल सोलर मिशन,नेशनल वॉटर मिशन तथा नेशनल ग्रीन इंडिया मिशन सहित 8 ऐसे मिशन चलाए जा रहे हैं जो पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण निभाएंगे।

हम 5 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे तो देशवासियों से कह पाएंगे कि सीआरपीएफ केवल लोगों की जीवन की सुरक्षा के लिए नहीं बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।नरेन्द्र मोदी से प्रेरित और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सीएपीएफ ने वर्ष 2020 से 2022 के छोटे अंतराल में पूरे देश में सामूहिक रूप से3.55 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं।सभी केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बलों के लिए वर्ष 2023 में कुल1.5 करोड़ पौधे लगाने का सामूहिक लक्ष्य निर्धारित किया है,जिसके तहत कुल पौधारोपण की संख्या पांच करोड़ हो जाएगी।इस अभियान के अंतर्गत जलवायु के अनुरूप इकाई वार लगाए जाने वाले पौधों की संख्या और प्रजातियों का आंकलन किया गया और इसके लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई। तत्पश्चात नोएडा के सेक्टर1 स्थित कृभको भवन में गृहमंत्री अमित शाह कृभको द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा किया।सर्व विदित रहे कि अमित शाह गृह मंत्रालय के साथ सहकारिता विभाग के भी कैबिनेट मंत्री है।सहकारिता के क्षेत्र में अनेक बड़ी योजनाएं व परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह का यह कदम निशचित रूप से स्वागत योग्य है।केन्द्र सरकार प्रकृति के प्रति प्रेम मानवता के प्रति एक उल्लेखनीय प्रयास है।खैर फिलहाल आप से यह कहते हुए विदा लेते है।

विचार मंथन

27 लाख बुजुर्गों के मामले न्यायालय में लंबित

(लेखक-सनत जैन)

भारत की न्यायालयों में 27 लाख से अधिक ऐसे मामले लंबित पड़े हैं। जो बुजुर्गों ने दायर कर रखे हैं। वह उम्र के ऐसे पड़ाव से गुजर रहे हैं। जहां कभी भी उनकी मृत्यु हो सकती है। ऐसे बुजुर्गों को तुरंत न्याय की जरूरत है। उन्हें खाने पीने रहने और स्वास्थ्य से संबंधित मामलों से जूझना पड़ रहा है। यह सारे मामले गुजारा भत्ता, पेंशन, किराएदार से मकान खाली कराने, संपत्ति के विवाद इत्यादि से जुड़े हुए हैं। इनमें करीब 7 लाख ऐसे मामले हैं। जिनमें बच्चों द्वारा मां-बाप को प्रताड़ित किया जा रहा है। वह अपना जीवन जीने के लिए न्यायालय की शरण में जाने के लिए विवश होना पड़ा है। पिछले 5 वर्षों से ज्यादा वक्त हो गया है। जब यह मामला दायर किए गए थे। लाखों मामले ऐसे भी दर्ज हैं, जो न्यायालयों में लंबे समय से लंबित हैं। इनमें अधिकांश मामले सिविल से संबंधित है। सुप्रीम कोर्ट ने बुजुर्गों को जल्द न्याय दिलाने के लिए 12 हाई कोर्ट और सभी निचली अदालतों को जल्दी सुनवाई करने के आदेश दिए थे। इसके बाद भी मुकदमों का त्वरित गति से निराकरण नहीं हो पा रहा है। उल्टे पिछले वर्षों में सात लाख मामले और भी बढ़ गए हैं। वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े मामलों की सुनवाई जल्द से जल्द हो, उन्हें जल्द न्याय मिलना चाहिए। जिला अदालतों और हाईकोर्ट में बुजुर्गों के मामले की जल्द सुनवाई हो। विशेष रुप से गुजारा भत्ता, पेंशन, किराएदार से मकान खाली कराने, बच्चों द्वारा प्रताड़ित किए जाने या देखरेख नहीं किए जाने के मामले, निश्चित समय सीमा पर निपटाने की व्यवस्था नहीं की जाती है। वर्तमान स्थिति में भारत में बुजुर्गों का जीवन काफी कठिन और नारकीय होता जा रहा है। बुजुर्गों का शरीर चलता नहीं है। वह भाग दौड़ नहीं कर सकते हैं। उनके पास आय का कोई जरिया नहीं होता है। वह दूसरों के ऊपर आश्रित होते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार ओर न्यायालय यदि बुजुर्गों को संवेदनशीलता के आधार पर उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं करेंगी,तो यह सभ्य समाज की निशानी नही है। उत्तर प्रदेश में 486128, महाराष्ट्र में 399684, कर्नाटक में 263118, बिहार में 248570, पश्चिम बंगाल में 151169, तमिलनाडु में 150125, केरल में 127201, राजस्थान में 108174, मध्य प्रदेश में 99879 और हरियाणा में 93068 मामले 14 अगस्त 2023 की स्थिति में न्यायालयों में लंबित हैं। न्यायालयों से बड़ी धीमी गति से प्रकरणों का निपटारा हो रहा है। नए प्रकरण तेजी के साथ बढ़ते जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट कई बार इस मामले में जिला अदालतों और हाईकोर्ट को निर्देश दे चुका है। बुजुर्गों के मामले जल्द सुनवाई कर निपटाए जाएं। लेकिन इसका कोई हल निकल नहीं पा रहा है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट को एक निश्चित समय सीमा मे उम्र को ध्यान में रखते हुए फैसला कियाजाना चाहिए। ताकि भारतीय बुजुर्गों को उनके जीवनकाल में ही न्याय मिल सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

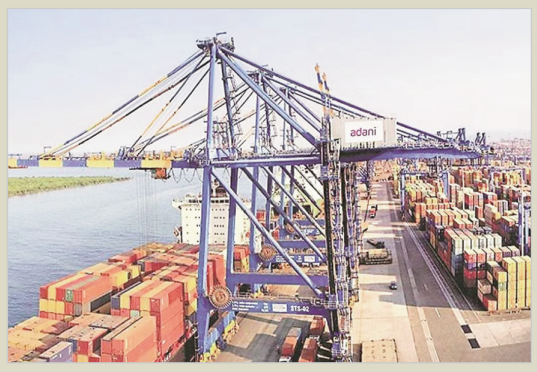

जीक्यूजी ने अडाणी पोर्ट्स में हिस्सेदारी बढ़ाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका स्थित निवेश फर्म जीक्यूजी पार्टनर्स ने अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर पांच प्रतिशत से अधिक कर लिया है। अरबपति गौतम अडाणी के समूह को लेकर बाजार की चिंताओं को नजरअंदाज करते हुए निवेश फर्म लगातार इस पर दांव लगा रही है। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक फ्लोरिडा स्थित जीक्यूजी ने थोक सौदे के जरिए एपीसेज में अपनी हिस्सेदारी 4.93 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.03 प्रतिशत कर दी है। जीक्यूजी के पास अब अडाणी समूह की 10 कंपनियों में से पांच में हिस्सेदारी है। इसने 16 अगस्त को अडाणी पावर लिमिटेड में 7.73 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। ताजा निवेश डेलॉयट द्वारा एपीसेज के ऑडिटर के रूप में पद छोड़ने के कुछ दिनों बाद आया है। जीक्यूजी ने अब तक अडाणी समूह की कंपनियों में 38,700 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

ओवीएल को वियतनाम में तेल ब्लॉक के लिए तीन साल का विस्तार मिला

नई दिल्ली । ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) को दक्षिण चीन सागर में स्थित वियतनाम ब्लॉक में तेल और गैस की खोज के लिए तीन साल का विस्तार मिला है। यह तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) की विदेशी शाखा ओवीएल के लिए आठवां विस्तार है। ओएनजीसी ने यह जानकारी दी।तेल और गैस की खोज के लिए सातवां विस्तार 15 जून, 2023 तक था और कंपनी तीन साल के विस्तार के लिए वियतनामी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही थी।ओवीएल ने अन्वेषण चरण-1 के तीन साल के विस्तार के लिए नियामक पीवीएन को एक प्रस्ताव दिया था, जिसे मंजूर कर लिया गया है।कंपनी को पिछले 17 वर्षों से इस ब्लॉक में कोई भी व्यावसायिक रूप से उपयोगी तेल और गैस भंडार नहीं मिला है, लेकिन दक्षिण चीन सागर में भारत के रणनीतिक हित के कारण उसने वहां अपनी उपस्थिति जारी रखी है। वियतनाम भी चाहता है कि भारतीय कंपनी इस विवादित जल क्षेत्र में चीन के हस्तक्षेप का मुकाबला करे। ओवीएल ने मई 2006 में वियतनाम के अपतटीय फुखान बेसिन में 7,058 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र वाले ब्लॉक-128 के लिए अनुबंध किया था।

रियल एस्टेट कारोबार 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर का हो जाएगा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2021 के दौरान भारत का प्रॉपर्टी बाजार 200 अरब डॉलर था। अब अनुमान लगाया जा रहा है वित्त वर्ष 2030 तक यह सेक्टर एक ट्रिलियन बढ़कर हो जाएगा। वहीं उम्मीद है कि रियल एस्टेट सेक्टर 2025 तक देश की जीडीपी में 13 फीसदी का का योगदान देगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का रियल एस्टेट सेक्टर का भविष्य काफी अच्छा है और आने वाले समय में यह तेजी से तरक्की करने वाला है। इंडिया का रियल एस्टेट सेक्टर में निवेशकों की संख्या और पैसा तेज गति से बढ़ने वाला है। इसे और सरल तरीके से कहें तो आने वाले समय में इस सेक्टर के निवेशकों के लिए अच्छा समय होने की उम्मीद है। रियल एस्टेट सेक्टर में उछाल देश के कुछ शहरों में सबसे ज्यादा मांग लेकर आएगा। इसमें मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे बड़े शहर शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन शहरों के कुछ हिस्सों में बजट में प्रॉपर्टी बिकेंगी और लोगों का इसकी ओर रुझान ज्यादा हो सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मुंबई के भीतर कुछ क्षेत्र खासकर कांजुर मार्ग, विक्रोली और भांडुप में करीब 70 फीसदी प्रॉपर्टी की खरीदारी की गई है। इस एरिया के भीतर एक बेडरूम वाले अपार्टमेंट की कीमत 80 लाख रुपए से 90 लाख रुपए तक है, जबकि दो बेडरूम वाले अपार्टमेंट की कीमत 1.5 करोड़ रुपए तक है।

लगातार चौथे हफ्ते सोने की कीमतों में गिरावट रही

- 10 ग्राम सोने का भाव 58,405 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद

नई दिल्ली ।

सोने की कीमत में लगातार चौथे सप्ताह गिरावट देखने को मिली है। जुलाई के शुरुआती हफ्ते में आई तेजी के बाद से लगातार सोने के भाव में गिरावट दर्ज की जा रही है। इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सोने का भाव 58,405 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन सोना 58,891 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुए थे। पिछले महीने से ही सोने की कीमतों में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। जुलाई में सोने की कीमतें 60 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम से आंकड़े के करीब पहुंच गई थीं लेकिन फिर कीमतों में गिरावट आनी शुरू गई और अब ये 59 हजार रुपए के आंकड़े से नीचे आ गई हैं। बीते सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने की कीमतें 58,874 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुईं। मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस की वजह से बाजार बंद था। बुधवार को सोने की कीमतें 58,843 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुईं। गुरुवार को सोने का भाव 58,876 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को सोने की कीमतें 58,405 रुपढ प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुईं1 पूरे सप्ताह के दौरान सोने के भाव गिरावट दर्ज की गई। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को गोल्ड की कीमतें 58,891 रुपए पर बंद हुई थीं। इस तरह सोने का भाव इस सप्ताह 438 रुपए प्रति ग्राम सस्ता हुआ। सोमवार को सोना सबसे महंगा 58,874 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बिका और सबसे सस्ता शुक्रवार 58,405

रुपए प्रति 10 ग्राम पर बिका। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट वाले सोने का दाम 18 अगस्त को अधिकतम 58,471 रुपए रहा। वहीं 22 कैरेट वाले गोल्ड का भाव 58,237 रुपए प्रति 10 ग्राम रहा। सभी तरह के सोने की कीमत की गणना टैक्स के बिना की गई है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 388 परियोजनाओं की लागत 4.65 लाख करोड़ बढ़ी

- 1,646 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की लागत 23,92,837.89 करोड़ रुपए थी

नई दिल्ली। देरी और अन्य कारणों से बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 388 परियोजनाओं की लागत जुलाई 2023 में तय अनुमान से 4.65 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की जुलाई, 2023 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,646 परियोजनाओं में से 388 की लागत बढ़ गई है, जबकि 809 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,646 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 23,92,837.89 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब इसके बढ़कर 28,58,394.39 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 4,65,556.50 करोड़ रुपए बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2023 तक इन परियोजनाओं पर 15,21,550.38 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 53.23 प्रतिशत है। हालांकि मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 602 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 809 परियोजनाओं में से 177 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 192 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 318 परियोजनाएं 25 से 60 महीने और 122 परियोजनाएं 60 महीने से अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 809 परियोजनाओं में देरी का औसत 37.44 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है।

(शेयर बाजार समीक्षा) वैश्विक रुझानों और विदेशी निवेशकों की चाल से तय होगी बाजार की दिशा

- ब्रेंट क्रूड और रुपए की कीमत भी बाजार के रुझान को प्रभावित करेगी

नई दिल्ली ।

कंपनियों के तिमाही पे रिणामों की घोषणा पूरी होने के साथ घरेलू शेयर बाजार का रुख इस सप्ताह वैश्विक रुझानों और विदेशी निवेशकों की चाल से तय होगा। विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड और डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत भी बाजार के रुझान को प्रभावित करेगी। बाजार की` विश्लेषकों ने कहा` कि आने वाले दिनों में व्यापक आर्थिक संकेतक, वैश्विक शेयर बाजारों के रुझान और एफआईआई की चाल बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बाजार कुछ प्रमुख वैश्विक घटनाओं जैसे अमेरिका में मौजूदा घरेलू बिक्री, बेरोजगारी के आंकड़े और यूरोजोन एसएंडपी वैश्विक समग्र पीएमआई से प्रभावित होगा। सूचकांक में प्रमुख हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस पर सबका ध्यान रहेगा, क्योंकि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड सोमवार को सूचीबद्ध होने वाली है। विश्लेषकों के अनुसार घरेलू बाजार को बीते सप्ताह कमजोर वैश्विक और घरेलू संकेतों के कारण गिरावट का सामना करना पड़ा। इस परिस्थिति में निवेशकों ने अमेरिकी डॉलर जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुख किया गया।

घरेलू औद्योगिक उत्पादन में गिरावट, नकारात्मक थोक मुद्रास्फीति और खुदरा महंगाई के रिजर्व बैंक के लक्षित दायरे से अधिक होने ने बाजार में अस्थिरता में योगदान दिया। अमेरिकी में खुदरा बिक्री के उम्मीद से अधिक मजबूत आंकड़े से फेड रिजर्व के ब्याज दर में एक बार फिर बढ़ोतरी करने की आशंका, अमेरिकी बैंक की रेटिंग में गिरावट और चीनी केंद्रीय बैंक के दर में अचानक कटौती से आर्थिक सुधार में बाधा उत्पन्न होने की आशंका ने भी बाजार पर दबाव बनाया। साथ ही अनुमान है कि अमेरिकी बांड यील्ड बढ़ने से भारत में विदेशी निवेश सीमित हो जाएगा, जिससे बाजार की गतिशीलता पर और असर पड़ेगा। सुस्त औद्योगिक आंकड़ों और चीन की मांग को लेकर बनी चिंताओं के कारण बीते सप्ताह धातु समूह को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इनके अलावा वैश्विक मुद्रा बाजार में उठापटक के कारण निवेशकों की निवेश धारणा कमजोर बनी हुई है, जो बाजार के प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है।

एसबीआई ने फिर बढ़ाई अमृत कलश योजना की तारीख

नई दिल्ली ।भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सर्वाधिक ब्याज दर देने वाली स्पेशल एफडी स्कीम अमृत कलश योजना की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। इस बारे में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एक सर्कुलर भी जारी किया है। सर्कुलर के मुताबिक एसबीआई अमृत कलश योजना की तारीख को आगे बढ़ा कर 31 दिसंबर कर दिया गया है। इससे पहले इस योजना में निवेश करने की आखिरी तारीख 15 अगस्त 2023 थी। बता दें कि अमृत कलश फिक्सड डिपॉजिट जमा योजना 15 अगस्त 2023 तक वैलिड है। भारतीय स्टेट बैंक ने अमृत कलश योजना को 12 अप्रैल 2023 को लॉन्च किया था। यह एसबीआई की खास योजना है। यह स्पेशल एफडी योजना घरेलू और साथ ही एनआरआई ग्राहकों के लिए भी है। एसबीआई अमृत कलश डिपॉजिट स्कीम में निवेशक 2 करोड़ से कम राशि 400 दिनों के टेन्योर के लिए निवेश कर सकते हैं। इस एफडी स्कीम के निवेशकों को मासिक, तिमाही और छमाही अंतराल पर ब्याज का भुगतान किया जाता है। एसबीआई अपने नियमित ग्राहकों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए एसबीआई की अमृत कलश योजना में क्रमशः 7.1 फीसदी और 7.6 फीसदी का ब्याज दे रहा है। एसबीआई अमृत कलश जमा योजना 2 करोड़ रुपए से कम की रिटेल एफडी पर लागू है। ये नई जमा योजना और रिन्यूएल पर लागू होगा।

भारतीय खाद्य और पेय पैकेजिंग उद्योग के 2029 तक 86 अरब डॉलर होने की संभावना

- उद्योग फिलहाल सालाना 14.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि कर रहा है

मुंबई ।

अखिल भारतीय खाद्य प्रसंस्करण संघ ने कहा है कि भारतीय खाद्य एवं पेय पैकेजिंग उद्योग के 2029 तक 86 अरब डॉलर का होने की उम्मीद है। यह उद्योग फिलहाल सालाना 14.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि कर रहा है। अखिल भारतीय खाद्य प्रसंस्करण संघ के पश्चिमी क्षेत्र के अध्यक्ष प्रबोध हल्दे ने फूड इंग्रीडिएंट्स (फाई इंडिया) और प्रोपैक इंडिया के अंतिम दिन बयान में कहा है कि कोविड-19 महामारी के बाद प्राकृतिक खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ी है। पौष्टिक-औषधीय पदार्थों और जैविक खाद्य पदार्थों के लिए एफएसएसएआई के नए नियम इस क्षेत्र में वृद्धि को गति दे रहे हैं। प्राकृतिक, जैविक, शाकाहारी और भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग वाले उत्पाद जैसे रुझान माहौल को नया आकार दे रहे हैं। उन्होंने इंफॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया द्वारा 17 से 19 अगस्त तक आयोजित फूड इंग्रीडिएंट्स (फाई इंडिया) के 17वें संस्करण और प्रोपैक इंडिया के पांचवें संस्करण में कहा कि संगठित पैकेज्ड सामग्री बाजार का मूल्य सालाना लगभग 20,000 करोड़ रुपए है, जो खुले उत्पादों से पैकेज्ड उत्पादों की ओर बदलाव का संकेत देता है। एफआई इंडिया में 230 से अधिक प्रदर्शकों और 1,000 से अधिक ब्रांड ने भाग लिया, जबकि प्रोपैक इंडिया में 85 प्रदर्शकों और 300 से अधिक ब्रांड ने भाग लिया। प्रदर्शनियों में नीदरलैंड, डेनमार्क, फ्रांस, बेल्जियम, अमेरिका, पोलैंड, जापान, हांगकांग, सिंगापुर और थाईलैंड के अंतरराष्ट्रीय

प्रदर्शक शामिल हुए। हल्दे ने कहा, भारतीय खाद्य और पेय पैकेजिंग उद्योग वर्तमान में (2022 में) 32 अरब डॉलर है, और 2029 तक 14.8 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़कर 86 अरब डॉलर होने का अनुमान है।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की सात कंप नियों का बाजार पूंजीकरण 80,200 करोड़ घटा

- टीसीएस और एचडीएफसी बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ

नई दिल्ली ।

शेयर बाजारों में गिरावट की वजह से पिछले सप्ताह प्रमुख 10 कंपनियों में सात का बाजार मूल्यांकन 80,200.24 करोड़ रुपये घट गया। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचडीएफसी बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स 373.99 अंक गिर गया। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इंफोसिस का बाजार मूल्यांकन बढ़ा, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस के मूल्यांकन में गिरावट हुई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 29,894.45 करोड़ रुपए घटकर 12,32,240.44 करोड़ रुपए हो गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 19,664.06 करोड़ रुपए घटकर 12,02,728.20 करोड़ रुपए रहा। दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 12,347.1 करोड़ रुपए बढ़ा। इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 6,972.87 करोड़ रुपए बढ़कर 5,76,379.26 करोड़ रुपए और रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 5,886.09 करोड़ रुपए बढ़कर 17,29,764.68 करोड़ रुपए हो गया। प्रमुख 10 कंपनियों की श्रेणी में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी रही।

होंडा ने सीडी 110 ड्रीम डीलक्स को किया लॉन्च

-इस सेगमेंट की सबसे सस्ती बाइकों में से एक

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनियों से टक्कर लेने के लिए होंडा ने एक बड़ी घोषणा कर दी है। होंडा ने 100 सीसी सेगमेंट में अपनी नई मोटरसाइकिल सीडी 110 ड्रीम डीलक्स को लॉन्च कर दिया है। माना जा रहा है कि ये इस सेगमेंट की सबसे सस्ती बाइकों में से एक हो सकती है। हालांकि होंडा ने इस मोटरसाइकिल को बनाने में किसी भी तरह की कॉस्ट कटिंग नहीं की है। बाइक में बेहतरीन फ्रेम के साथ ही कई शानदार फीचर्स भी दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल की शुरुआती कीमत 73,400 रुपये एक्स शोरूम है। कंपनी लगातार अपने बाइक पोर्टफोलियो को मजबूत कर रही है। कुछ ही दिनों पहले कंपनी ने शाइन 100 को लॉन्च किया था। इसी के साथ मोटरसाइकिल के इंजन को बीएस फेज 2 के नॉर्म्स पर तैयार किया गया है और ये 20 फीसदी एथनॉल बेस्ड फ्यूल से चलाई जा सकती है। मोटरसाइकिल 4 कलर ऑप्शन में उपलब्ध है। इसे आप ब्लैग विद रेड, ब्लैक विद ब्लू, ब्लैक विद ग्रीन और ब्लैक विद ग्रे के ऑप्शन में पसंद कर सकते हैं। सीडी 110 में कंपनी ने 109.51 सीसी का 4 स्ट्रोक एयर कूल्ड इंजन दिया है। ये इंजन 6.47 बीएचपी की पावर और 9.30 एनएम की मैक्सिमम टॉर्क जनरेट कर सकता है। इसी के साथ मोटरसाइकिल का माइलेज 70 किलोमीटर प्रति लीटर का बताया जा रहा है। सीडी 110 का सीधा मुकाबला पल्सर एनएस, हीरो स्प्लेंडर जैसी मोटरसाइकिलों से होने जा रहा है। बताया जा रहा हैकि सीडी 110

को यूनिकॉर्न 160 के प्लेटफॉर्म पर ही तैयार किया गया है। इसका फ्रेम और डिजाइन भी यूनिकॉर्न पर ही बेस्ड है। बाइक में कंपनी ने साइड स्टैंड इंजन कट ऑफ, डीसी हेडलाइट्स, इंजन स्टार्ट स्टॉप स्विच, इक्लीलाइजर, कॉम्बी ब्रेक सिस्टम जैसे फीचर्स आपको देखने को मिलेंगे।

भारत में होता है दुनिया का सबसे ज्यादा प्याज उत्पादन, फिर भी बढ़ रहे दाम

-घरेलू उपलब्धता बढ़ाने सरकार ने प्याज के निर्यात पर लगाया 40 फीसदी शुल्क

नई दिल्ली ।

दुनियाभर में प्याज का सर्वाधिक उत्पादन भारत में ही होता है, लेकिन इन दिनों लगातार दाम बढ़ने से उपभोक्ताओं को चिंता सता रही है। जानकार बता रहे हैं` कि टमाटर के बाद अब लोगों को प्याज की कीमतें रुलाने वाली हैं। प्याज की बढ़ती कीमतों के संकेतों के बीच सरकार ने इसके निर्यात पर 40 फीसदी शुल्क लगा दिया है। सरकार ने ये कदम प्याज की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए उठाया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ये पहली बार है जब प्याज एक्सपोर्ट पर शुल्क लगाया गया है। घरेलू बाजार में प्याज कीमतों में तेजी नजर आने लगी है। राजधानी दिल्ली में शनिवार को प्याज 37 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव तक पहुंच गया। वित्त मंत्रालय ने एक सीमा शुल्क अधिसूचना के जरिए 31 दिसंबर 2023 तक प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया है। लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि भारत दुनिया में सबसे अधिक प्याज का उत्पादन करता है। लेकिन फिर भी देश में कीमतें क्यों बढ़ रही है।

जानकारी के अनुसार इस वित्त वर्ष में एक अप्रैल से 4 अगस्त के बीच देश से 9.75 लाख टन प्याज का निर्यात किया गया है। मूल्य के लिहाज से टॉप तीन आयातक देश बांग्लादेश, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात हैं। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि खासकर आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सरकार ने प्याज के निर्यात पर 40 फीसदी शुल्क लगाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में प्याज के निर्यात में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। सरकार ने प्याज के निर्यात पर अंकुश लगाने के लिए हमेशा मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस का इस्तेमाल किया था। हालांकि, इस साल पहली बार बाहरी शिपमेंट पर प्रभावी नियंत्रण के लिए निर्यात शुल्क लगाया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, प्याज की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत शनिवार को 30.72 रुपये प्रति किलोग्राम थी और अधिकतम कीमत 63 रुपये प्रति किलोग्राम और न्यूनतम कीमत 10 रुपये प्रति किलोग्राम थी। बता दें कि दिल्ली में

शनिवार को प्याज 37 रुपये प्रति किलोग्राम पर था। व्यापार आंकड़ों से पता चलता है कि राष्ट्रीय राजधानी में प्याज की कीमतें 50 रुपये प्रति किलोग्राम हैं। चालू खरीफ सीजन में प्याज कवरेज में कमी की खबरों के बीच प्याज की कीमतें बढ़ने लगी हैं। जुलाई के थोक मूल्य सूचकांक आंकड़ों के अनुसार, जून में प्याज की मुद्रास्फीति (-)4.31 फीसदी के मुकाबले बढ़कर 7.13 प्रतिशत हो गई। फूड प्रोडक्ट्स की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बीच वार्षिक खुदरा या उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति जुलाई में 15 महीने के उच्चतम स्तर 7.44 फीसदी पर पहुंच गई, जो जून में 4.87 प्रतिशत पर थी। सरकार ने इस साल तीन लाख टन प्याज का बफर स्टॉक बनाए रखा है।

गौरतलब है कि प्याज के उत्पादन के मामले में भारत दुनिया में टॉप पर है। साल 2021 में भारत ने 26.6 लाख मिट्रिक टन प्याज का उत्पादन किया था। 24.2 लाख मिट्रिक टन के साथ चीन दूसरे नंबर पर रहा था। वहीं, तीसरे नंबर पर इजिप्ट था, जिसने साल 2021 में 3.3 लाख मिट्रिक टन प्याज का उत्पादन किया था। भारत में सबसे अधिक प्याज का उत्पादन महाराष्ट्र में होता है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख प्याज उत्पादक राज्यों में मॉनसून के देरी से आने के कारण सुस्त खरीफ बुआई की खबरों के बीच प्याज की खुदरा कीमत एक महीने पहले के 25 रुपये की तुलना में बढ़कर 30 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

सरकार प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाएगी

नई दिल्ली ।

सरकार ने देश में प्याज की उपलब्धता बढ़ाकर उसकी कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाने का निर्णय किया है। दरअसल, पिछले हफ्ते ही सरकार ने अक्टूबर में नई फसल के आने तक कीमतों को नियंत्रण में रखने के उद्देश्य से विशिष्ट क्षेत्रों में अपने बफर स्टॉक से प्याज बाजार में उतारने की घोषणा की थी। सरकार प्याज के वितरण के लिए अलग-अलग माध्यम खोज कर रही है, जिसमें ई-नीलामी, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और उपभोक्ता सहकारी समितियों और निगमों द्वारा संचालित अपने खुदरा दुकानों के माध्यम से छूट की पेशकश करने के लिए राज्य अधिकारियों के साथ साझेदारी शामिल है। वर्तमान में, सरकार ने कम आपूर्ति की अवधि के दौरान कीमतों में किसी भी अप्रत्याशित उछाल से निपटने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के भीतर 3 लाख टन प्याज का स्टॉक किया हुआ है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, प्याज की कीमत में थोड़ी बढ़ोतरी दिखनी शुरू हो गई है। 10 अगस्त तक, प्याज की अखिल भारतीय खुदरा कीमत 27।90 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2 रुपए प्रति किलोग्राम से अधिक की वृद्धि दर्शाती है। बता दें कि निर्यात शुल्क यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि सामान का एक निश्चित हिस्सा घरेलू बाजार में उपलब्ध रहे। अत्यधिक निर्यात को हतोत्साहित करके, सरकार देश में

वस्तु की कमी को रोक सकती है और यह सुनिश्चित कर सकती है कि स्थानीय उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति हो।

फीफा महिला विश्व कप 2023 में स्पेन ने रचा इतिहास, इंग्लैंड को 1-0 से हराकर पहली बार जीता खिताब

सिडनी (एजेंसी)। ओल्गा कारमोना के पहले हाफ में दागे गोल की बदौलत स्पेन रविवार को यहां इंग्लैंड को 1-0 से हराकर पहली बार फीफा महिला विश्व कप खिताब जीतने में सफल रहा। स्पेन ने खिलाड़ियों की बगावत के एक साल से भी कम समय में यह खिताब जीता। स्पेन के पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय खिताब ने उसे 2007 में जर्मनी के बाद महिला फुटबॉल विश्व कप जीतने वाली पहली यूरोपीय टीम भी बना दिया।

कारमोना ने मैच के 29वें मिनट में बाएं पैर से दनदनाता हुआ शॉट लगाया जिसे इंग्लैंड की गोलकीपर मैरी अर्प्स गोता लगाने के बावजूद गोल में जाने से रोकने में नाकाम रहीं। जश्न मनाते हुए कारमोना ने अपनी जर्सी उठा ली जिसके नीचे उनकी शर्ट पर 'मेची' लिखा था जो उनके पूर्व स्कूल का नाम है। कारमोना ने स्वीडन के खिलाफ सेमीफाइनल में स्पेन की 2-1 की जीत के दौरान भी 89वें मिनट में विजयी गोल दागा था।

कारमोना इसके साथ ही 2015 में कार्ली लॉयड के बाद सेमीफाइनल और फाइनल में गोल करने वाली पहली खिलाड़ी बनीं। स्पेन के पास 68वें मिनट में बढ़त दोगुनी करने का मौका था लेकिन जेनी हर्मोसो की पेनल्टी किक को मैरी ने बाईं ओर गोता लगाते हुए रोक दिया। इंग्लैंड ने पिछले साल यूरो क्वार्टर फाइनल में स्पेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जॉर्जिया स्टेनवे के अतिरिक्त समय में दागे गोल की बदौलत 2-1 से जीत दर्ज की थी। स्पेन की यह जीत इसलिए भी काबिलेतारीफ है क्योंकि पिछले साल उसकी खिलाड़ियों ने बगावत कर दी थी। टीम की 15 खिलाड़ियों ने कहा था कि वे अपने मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए राष्ट्रीय टीम से दूर हो रही हैं। उन्होंने साथ ही अधिक पेशेवर माहौल की वकालत की थी।

इनमें से तीन खिलाड़ी ओना बेटले, ऐटाना बोनमैट और मारियोना केलडेंटे ने बाद में राष्ट्रीय महासंघ के साथ समझौत कर लिया और वे विश्व कप के लिए टीम का हिस्सा थीं। पिछले साल यूएफा यूरोपीय चैंपियनशिप जीतने के बाद इंग्लैंड की टीम खिताब की प्रबल दावेदारों में शामिल थी। लेकिन उसकी तीन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कप्तान लिया विलियमसन, फ्रेन किर्बी और बेथ मीड घुटने की चोट के कारण विश्व कप का हिस्सा नहीं थीं।

इंग्लैंड की कोच सारिना वेगमैन पहली कोच बनीं जिनके मार्गदर्शन में टीमों ने लगातार दो विश्व कप फाइनल में जगह बनाई। उनके मार्गदर्शन में 2019 में नीदरलैंड की टीम भी फाइनल में पहुंची थी लेकिन उसे अमेरिका के

खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। वह लगातार दो फाइनल गंवाने वाली भी पहली कोच बनीं। इस मुकाबले को देखने के लिए स्टेडियम में 75 हजार 784 दर्शक मौजूद थे जिसमें महान टेनिस खिलाड़ी बिली जीन किंग भी शामिल थीं।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम मेजबान जर्मनी से हारी

डसेलडोर्फ (एजेंसी)। सुदीप चिरमाको ने दो गोल दागे लेकिन चार देशों के टूर्नामेंट में यह भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को जर्मनी के खिलाफ जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था। मेजबान जर्मनी ने मिशेल स्टूथॉफ (41 वां मिनट), बेन हस्बैक (53वां मिनट), और फ्लोरियन स्पलिंग (55वां) के गोल के दम पर इस मुकाबले को 3-2 से जीत लिया। चिरमाको ने सातवें और 60वें मिनट में भारत के लिए गोल किए।

स्पेन पर 6-2 की जीत के बाद भारतीय टीम इस मुकाबले में बढ़े हुए हौसले से उतरी थी। टीम ने सातवें मिनट में चिरमाको के गोल की मदद से शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। जर्मनी के बराबरी करने की पूरी कोशिश की लेकिन भारत पहले क्वार्टर में अपनी बढ़त बनाए रखने में सफल रहा। जर्मनी ने दूसरे क्वार्टर में अपनी खेल की गति बढ़ाई और भारतीय रक्षापंक्ति ने उसे माकूल जवाब दिया। इस बीच भारतीय टीम ने भी जवाबी हमले किये लेकिन प्रतिद्वंद्वी टीम का भी रक्षण शानदार रहा। मध्यांतर के समय तक भारतीय टीम अपनी बढ़त को बरकरार रखने में सफल रही।

दूसरे हाफ की शुरुआत में जर्मनी ने मैच का अपना पहला गोल हासिल करने के लिए पूरा दमखम झोक दिया लेकिन भारत अच्छी तरह से बचाव करने में सफल रहा। स्टूथॉफ ने 41वें मिनट में भारतीय रक्षापंक्ति को भेद को गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा कर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। मैच के आखिरी 15 मिनट में दोनों टीमों ने बढ़त लेने के लिए खेल की गति को बढ़ाया।

जर्मनी ने इस बीच भारतीय रक्षापंक्ति की कमजोरी का फायदा उठाते हुए दो मिनट के अंदर दो गोल कर 3-1 कर बढ़त बना ली। हस्बैक ने 53वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई तो वहीं स्पलिंग इस अंतर को और बड़ा किया। मैच के आखिरी क्षणों में चिरमाको ने अपना दूसरा गोल दागा लेकिन यह टीम को हार से बचाने के लिए काफी नहीं था। भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में सोमवार को इंग्लैंड का सामना करेगी।

यूएई ने न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 में हराकर सबको हैरान किया

दुबई (एजेंसी)। यूएई ने दुबई में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड को हराकर सनसनी फैला दी। यूएई की ओर से कप्तान मुहम्मद वसीम ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम को सात विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसी के साथ ही दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गयी है। इस मैच में यूएई को जीत के लिए 143 रनों का लक्ष्य मिला था जो उसने तीन विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। वसीम ने केवल 27 गेंदों पर अर्धशतक लगाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। वसीम के अलावा आसिफ खान ने 48 रन और बासिल हमीद ने 12 रन बनाये। जीत के बाद यूएई की टीम बेहद उत्साहित दिखी और उसने जमकर जीत का जश्न मनाया। आयरलैंड और अफगानिस्तान के अलावा किसी अन्य टेस्ट खेलने वाले देश पर यूएई की ये पहली टी20आई जीत थी।

कीवी टीम की ओर से सैंटनर, जैमीसन और साउथी को एक-एक विकेट मिला।

वहीं इससे पहले न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने शुरुआत में ही विकेट खो दिया। तीसरे ओवर में टिम सीफर्ट 7 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। अयान खान ने मिशेल सैंटनर 1 को भी इसके बाद पेवेलियन भेज दिया। मार्क चैपमैन ने सबसे अधिक 46 गेंदों में 63 रन बनाये। इस प्रकार कीवी टीम एक नई टीम के खिलाफ केवल 142 ही बना पायी। यूएई की ओर से अयान ने तीन जबकि जवादुल्लाह ने दो विकेट लिए।

एशिया कप के लिए टीम इंडिया का चयन आज

-तिलक और सूर्यकुमार को मिल सकता है अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। इस माह के अंत में होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का चयन सोमवार को होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार चयन समिति की इस बैठक में टीम के कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ भी शामिल होंगे। कई खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी तक एशिया कप के लिए अपनी टीमों की घोषणा नहीं कर पाया है। वहीं पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश ने पहले ही एशिया कप के लिए अपनी-अपनी टीमों की घोषणा कर दी थी। के एल राहुल और श्रेयस अय्यर ने अभी तक अपनी फिटनेस साबित नहीं की है। ऐसे में बीसीसीआई चयनकर्ता सुरक्षित विकल्प तलाश सकते हैं जिससे श्रीलंका में एशिया कप के दौरान उन्हें उपलब्ध खिलाड़ियों को आंकने का भी अवसर मिलेगा। गौरतब है कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय संभावित टीम की

घोषणा का नियम रखा है। चयन समिति की बैठक में तिलक वर्मा के नाम पर भी बात होगी पर अगर राहुल और अय्यर अगर फिट पाए गए तो उन्हें ही अंतिम 15 में जगह नहीं मिलेगी। टीम में अतिरिक्त बल्लेबाज के लिए सूर्यकुमार यादव की दावेदारी संजू सैमसन से ज्यादा मजबूत है। स्पिन गेंदबाज के तौर पर रविचंद्रन अश्विन का नाम सबसे आगे है। हैं। बीसीसीआई सचिव और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने गत दिवस ही एशिया कप का कार्यक्रम घोषित किया था।

एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान के पास है पर इस टूर्नामेंट के केवल चार मैच ही पाक में होंगे। भारतीय टीम के सभी मैच श्रीलंका में होंगे। भारत इसमें ग्रुप-ए में पाकिस्तान और नेपाल के साथ है, जबकि ग्रुप-बी में बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान की टीमें शामिल हैं। टूर्नामेंट को पहला मुकाबला 2 सितंबर को श्रीलंका के कैंडी में भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच पाकिस्तान और नेपाल के बीच मुल्तान, पाकिस्तान में होगा।

भारत की संभावित 17 सदस्यीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, लोकेश राहुल (विकेटकीपर, फिटनेस के अधीन), श्रेयस अय्यर (फिटनेस के अधीन), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), रविंद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव , ईशान किशन (वैकल्पिक विकेटकीपर), अक्षर पटेल, शारदुल ठाकुर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, युजवेंद्र चहल या रविचंद्रन अश्विन।

भारत की अनाहत सिंह को एशियाई जूनियर स्क्वाश में स्वर्ण पदक

डेलियान (चीन)। भारत की अनाहत सिंह ने यहां 16 से 20 अगस्त तक हुई एशियाई जूनियर स्क्वाश व्यक्तिगत चैंपियनशिप के अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। पंद्रह साल ही अनाहत ने रविवार को हुए फाइनल में हांगकांग की एना क्वोंग को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अनाहत ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में मलेशियाई खिलाड़ियों क्रमश- डॉयस ली और विटनी इसाबेल को हराया था। पिछले साल थाईलैंड में दिल्ली की अनाहत ने इस प्रतियोगिता का अपना पहला स्वर्ण पदक जीता था। अनाहत ने 2019 में मकाऊ में अंडर-13 वर्ग में भी कांस्य पदक जीता था। अनाहत बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह 14 साल की उम्र में इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी थीं।

यूएई की जीत से पता चलता है फ्रेंचाइजी क्रिकेट का प्रभाव : अश्विन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टी20 अंतरराष्ट्रीय में न्यूजीलैंड पर जीत से फ्रेंचाइजी क्रिकेट के प्रभाव को साफ देखा जा सकता है। अश्विन ने साथ ही इस जीत से उन खिलाड़ियों के हौंसले भी बढ़ेंगे जिनकी टीमें टेस्ट नहीं खेलती हैं। अश्विन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'यूएई ने न्यूजीलैंड को हरा दिया जो बड़ी उपलब्धि है और इससे हमें यह भी नजर आ रहा है कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट क्या कुछ कर सकता है। उन्होंने कहा, 'इससे ऐसे देशों के क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी के लिए भी उम्मीद जगती है जिन्हें अभी टेस्ट खेलने का दर्जा नहीं मिला है।। यूएई ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए न्यूजीलैंड को आठ विकेट पर 142 रनों पर ही रोकने के बाद ये लक्ष्य 15.4 ओवर में हीतीन विकेट पर 144 रन बनाकर हासिल कर लिया। अश्विन ने अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान का उदाहरण देते हुए उम्मीद जतायी कि आईपीएल में और अधिक खिलाड़ी खेलेंगे और अपनी संबंधित टीमों में बदलाव लाएंगे। उन्होंने कहा, 'जब राशिद खान आईपीएल में आया तो अफगानिस्तान विश्व कप में चुनौतीपूर्ण क्रिकेट देश नहीं था पर अब कोई भी उसे हल्के में नहीं ले सकता है।

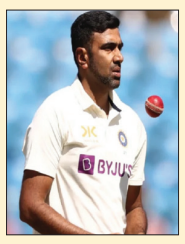

आईसीसी विश्व कप से पहेल एचसीए ने जाहिर की नई मुश्किल, राजीव शुक्ला ने कहा कि बदलाव की गुंजाइश नहीं

नयी दिल्ली।(एजेंसी)। हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) ने भारत में पांच अक्टूबर से शुरू हो रहे एकदिवसीय विश्व कप के दौरान लगातार दो दिन दो मैचों की मेजबानी को संगठनात्मक और सुरक्षा कारणों से मुश्किल करार दिया लेकिन बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि कार्यक्रम में और बदलाव संभव नहीं है। काफी विलंब के बाद इस साल जून में विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा की गयी थी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद)ने इस महीने की शुरुआत में नौ मैचों के कार्यक्रम में बदलाव किया, जिसमें जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला बड़ा मुकाबला भी शामिल था। भारत और पाकिस्तान के मैच के आयोजन को एक दिन पहले 14 अक्टूबर को कर दिया गया। इसके अलावा हैदराबाद में श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान का मैच 12 अक्टूबर की जगह 10 अक्टूबर कर दिया गया।

एचसीए इससे पहले नौ अक्टूबर को न्यूजीलैंड बनाम नीदरलैंड मैच की भी मेजबानी कर रहा है। हैदराबाद पुलिस ने लगातार दो मैचों के लिए सुरक्षा प्रदान करने पर आपत्ति व्यक्त की है। एचसीए के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, '' मैं यह नहीं कह सकता कि इसे निश्चित रूप से बदला जाएगा, लेकिन दो दिनों में दो

मैचों की मेजबानी आदर्श स्थिति नहीं हैं। मेरा मतलब है कि अगर वे (बीसीसीआई) पुनर्विचार करेंगे तो यह अच्छा होगा। हमें सुरक्षा एजेंसियों के साथ काम करना होगा।'' उन्होंने कहा, '' कोई भी विश्व कप के दो मैचों के बीच एक दिन का समय चाहेगा। हम अब भी सुरक्षा एजेंसियों के साथ बातचीत कर रहे हैं कि यह संभव है या नहीं। इसके साथ ही हम बीसीसीआई को भी इसकी जानकारी दे रहे हैं।

बीसीसीआई को पूरी तरह से पता है कि हम क्या करने की कोशिश कर रहे हैं।'' शुक्ला ने हालांकि एक आधिकारिक बयान में कहा कि और बदलाव संभव नहीं है क्योंकि इससे सभी संबंधित पक्षों को शामिल करना पड़ता है। उन्होंने कहा ,'' मैं विश्व कप के लिये हैदराबाद वेन्यू का प्रभारी हूं। अगर वहां कोई मसला होगा तो हम सुलझाने की कोशिश करेंगे। विश्व कप का कार्यक्रम बदलना आसान नहीं है और यह संभव भी नहीं है। बीसीसीआई अकेले कार्यक्रम में बदलाव नहीं कर सकता। टीमें और आईसीसी भी शामिल होती है।'' हैदराबाद पुलिस किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए दो से ढाई हजार पुलिस कर्मियों को नियुक्त करती है।

इस अधिकारी ने कहा, '' पुलिस की तैनाती मैच को लेकर जोखिम का आकलन और दर्शकों की संख्या पर भी निर्भर करती है। पुलिस आकलन करती है और उसी के अनुसार तैनाती करती है।'' इन मैचों में एक में पाकिस्तान की भागीदारी को देखते हुए सुरक्षा बढ़ाए जाने की उम्मीद है। पाकिस्तान की टीम 2016 टी20 विश्व कप के बाद पहली बार भारत में खेलेगी। टीम का हैदराबाद में लंबा प्रवास होगा क्योंकि उसे इसी स्थल पर विश्व कप के दो मैचों के अलावा दो अभ्यास मैचों में भी भाग लेना है। टीम विश्व कप में अपने अभियान का आगाज छह अक्टूबर को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में नीदरलैंड के खिलाफ करेगी। विश्व कप के लिए टिकटों की बिक्री 25 अगस्त से शुरू हो रही है, जिससे ज्यादातर क्रिकेट प्रशंसक को अपनी यात्रा की योजना बनाने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है।

केटलन सर्किट : सेंट अदरिया इंटरनेशनल शतरंज : शुभयान बने विजेता ,एंजेला उपविजेता

बार्सिलोना , स्पेन । केटलन सर्किट 2023 के पांचवें टूर्नामेंट सेंट अदरिया इंटरनेशनल टूर्नामेंट का खिताब भारत के शुभयान कुंडु नें अपने नाम कर लिया है, शुभयान नें 9 राउंड में 7.5 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया इस दौरान उन्होने 7 जीत दर्ज की एक ड्रॉ खेला जबकि एक मुकाबले में उन्हे हार का सामना करना पड़ा था ।इस वर्ष केटलन सर्किट में खेलते हुए इस वर्ष शुभयान अपनी रेटिंग में लगातार सुधार करते हुए 2400 की ओर बढ़ रहे है । दूसरे स्थान पर चेसबेस इंडिया परिवार की सदस्य और कोलोम्बिया की महिला इंटरनेशनल मास्टर एंजेला फ़रांकों रही , एंजेला नें टूर्नामेंट में 6 जीत , 2 ड्रॉ और 1 हार के साथ कुल 7 अंक बनाए जबकि कोलंबिया के डेविड कबजेरो 6.5 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर तीसरे स्थान पर रहे ।अन्य भारतीय खिलाड़ियों में मध्य प्रदेश के अश्विन डेनियल 6 अंक बनाकर छठे और प्रखर बजाज 5 अंक बनाकर दसवें स्थान पर रहे।

बॉन्ड की जगह मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाजी कोच बनेंगे मलिंगा !

मुंबई । श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा आईपीएल के अगले सत्र में मुंबई इंडियंस के कोच होंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार मलिंगा को न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड की जगह जगह टीम का कोच बनाये जाने की संभावना है। एम रिपोर्ट के अनुसार बॉन्ड के करार की समीक्षा होने वाली है। अभी वह आईएलटी20 (अंतरराष्ट्रीय लीग टी20, यूएई) में एमआई एमिरेट्स के मुख्य कोच रहेंगे भी है। यह टीम इस लीग की शुरुआत सत्र में तीसरे स्थान पर रही थी। दूसरी ओर मलिंगा का मुंबई इंडियंस के साथ कार्यकाल अच्छा रहा है। उनके टीम में रहते मुम्बई ने पांच खिताब जीते हैं। इसमें चार आईपीएल 2013, 2015, 2017 और 2019 खिताब के अलावा 2011 में चैंपियंस लीग टी20 जीतना भी शामिल है। वह राजस्थान रॉयल्स के भी कोच रहे हैं। मलिंगा ने मुंबई की ओर से 139 मैच खेलते हुए 7.12 के औसत से 195 विकेट लिए हैं। इनमें से 170 विकेट आईपीएल में आए। वह इस लीग में संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाले छठे खिलाड़ी हैं। मलिंगा ने इससे पहले साल 2018 में टीम के मेंटर की भूमिका निभाई थी। वह टीम के मुख्य तेज गेंदबाज भी रहे हैं।

विश्व चैम्पियनशिप में प्रणय, सेन और सात्विक-चिराग की जोड़ी से पदकों की आस

कोपनहेगन(एजेंसी)। फॉर्म में चल रहे एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन सोमवार से यहां शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप में भारत के पदक दावेदारों की अगुआई करेंगे। सभी की निगाहें सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पर लगी होंगी जो इस समय दुनिया की दूसरी नंबर की जोड़ी है। देश की सर्वश्रेष्ठ युगल जोड़ी पिछले चरण में जीते गये कांस्य पदक के रंग को बेहतर करना चाहेगी।

भारत ने 1977 से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में एक स्वर्ण सहित 13 पदक जीते हैं जिसमें चार रजत और आठ कांस्य शामिल हैं। महान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण पदक (कांस्य, 1993 में) जीतने वाले पहले भारतीय थे और 2011 के बाद से पीवी सिंधू की अगुआई में देश के खिलाड़ी कम से कम एक पदक जीतते आ रहे हैं। सिंधू विश्व चैम्पियनशिप में भारत की सबसे सफल खिलाड़ी हैं जो 2019 में चैम्पियन रहीं और उनके नाम पांच पदक हैं। लेकिन बासेल चरण के बाद से वह पोडियम तक नहीं पहुंच पा रही हैं और इस सत्र में अपने पहले जैसे प्रदर्शन की झलक नहीं दिखा सकी हैं।

किदाम्बी श्रीकांत और लक्ष्य सेन ने 2021 चरण में भारत को कमश- रजत और कांस्य पदक दिलाये जबकि सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 2022 में कांस्य पदक जीता। प्रणय ऐसे खिलाड़ी हैं जो पोडियम के करीब पहुंचकर चूक रहे हैं, वह 2021 और 2022 दोनों चरण के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। लेकिन पिछले 12 महीनों में उनकी निरंतर फॉर्म को देखते हुए इस बार वह प्रबल दावेदारों में शुमार होंगे।

मलेशिया मास्टर्स में जीत दर्ज करने वाले और आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले प्रणय अपना अभियान फिनलैंड के कोले कोलजोनेन के खिलाफ शुरू करेंगे जिनकी विश्व रैंकिंग 56 है। नौवीं वरीयता प्राप्त इस भारतीय के इसके बाद इंडोनेशिया के चिको ओरा ड्वी वार्डोयो से भिड़ने की उम्मीद है। सेन का सामना दुनिया के 110वें नंबर के खिलाड़ी जार्जेस जुलियन पॉल (मॉरीशस) से होगा और उनके इसके बाद कोरिया के जियोन हियोन से भिड़ने की संभावना है। इसके बाद वह तीसरे दौर में तीसरे वरीय कुनलावुत वितिदसर्ण के सामने हो सकते हैं।

श्रीकांत इस सत्र में इतना अच्छा नहीं कर पाये हैं और महत्वपूर्ण मौकों पर उनका खेल बिखर जाता है लेकिन वह ओलंपिक पूर्व सत्र में तेजी से चीजों का रुख बदलना चाहेंगे क्योंकि पेरिस क्वालीफिकेशन भी दांव पर लगा होगा। गुंटूर के इस 30 साल के खिलाड़ी का सामना कड़े प्रतिद्वंद्वी जापान के 15वीं रैंकिंग पर काबिज केंटा निशिमोटो से होगा। भारतीय खिलाड़ी का विपक्षी पर जीत का रिकॉर्ड 6-3 है जिससे उनका मनोबल बढ़ेगा ही। इंडोनेशिया के एंथोनी जिनटिंग (विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर) टूर्नामेंट से हट गए हैं जिससे श्रीकांत के लिये ड्रा में थोड़ी मुश्किल कम होगी।

अगर यह भारतीय अपनी काबिलियत के अनुरूप खेलने में सफल रहता है तो दुनिया के इस 20वें नंबर के खिलाड़ी के कम से कम क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने की उम्मीद है। विश्व चैम्पियनशिप के 2017 और 2018 चरण की रजत पदक विजेता और 2013 और 2014 में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को बाई मिली है और वह जापान की नोजोमी ओकुहारा और वियतनाम की थुये लिन्ह एनगुएन के बीच

होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी। लेकिन उम्मीदों का बोझ सात्विक और चिराग के कंधों पर होगा जो शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने 2023 में इंडोनेशिया ओपन, एशिया चैम्पियनशिप, स्विस ओपन और कोरिया ओपन में खिताब अपने नाम किये हैं।

दूसरी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली है और अगर वे इस सत्र के दबदबे के अनुरूप आगे बढ़ते हैं तो उनके ड्रा में काफी आगे तक पहुंचने की उम्मीद है। त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को भी बाई मिली है। यह जोड़ी आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में दो बार सेमीफाइनल में पहुंची हैं। अन्य भारतीयों में अश्विनी भट्ट के और शिखा गौतम, रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी तथा वेंकट प्रसाद और जूही देवांगन भी शामिल हैं। कोपनहेगन पांचवीं बार विश्व चैम्पियनशिप का आयोजन कर रहा है जो सभी मेजबानों में सबसे ज्यादा है। डेनमार्क की राजधानी ने इससे पहले 1983, 1991, 1999 और 2014 में इसकी मेजबानी की थी।

विश्व चैम्पियनशिप : मेहुली ने कांस्य पदक जीतने के साथ ही ओलंपिक कोटा हासिल किया

बाकू । भारतीय महिला निशानेबाज मेहुली घोष ने विश्व चैम्पियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल कर लिया है। इस निशानेबाज ने तिलोतमा सेन और रमिता के साथ मिलकर 1895.9 अंक के कुल स्कोर के साथ ही10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में जीत दर्ज की। वहीं चीन ने कुल 1893.7 अंक हासिल कर रजत जबकि जर्मनी ने कांस्य पदक जीता। मेहुली ने फाइनल में 229.8 का स्कोर बनाकर पोडियम में जगह पक्की की हालांकि वह चीन की जियाऊ हान 251.4 और झिलिन वांग 250.2 अंक हासिल कर पहले ओर दूसरे स्थान पर रहीं। एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष तीन निशानेबाजों को ओलंपिक कोटा मिलता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रावण माह की शुक्ल पंचमी को नाग पंचमी के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। पंचमी तिथि के देवता नाग ही हैं। भगवान शिव को सांपों का देवता माना जाता है। इसलिए इस दिन भूलकर भी नाग देवता का अपमान न करें। कही भी सांप दिखे तो उसे दूध पिलाएं। कहा जाता है कि अगर इस दिन सापों का अपमान किया तो हमेशा ही सांपों से खतरा बना रहा है। नाग पंचमी पर ऊं नमः शिवाय और महामृत्युंजय मंत्रों का सुबह-शाम जाप करना चाहिए।

नागपंचमी के दिन नागदेव से करें यह शुभ प्रार्थना

नाग पंचमी का त्योहार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है। इस दिन नागों की पूजा प्रधान रूप से की जाती है। कुछ प्रदेशों में चैत्र व भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी नाग पंचमी मनाई जाती है। इस बार अंग्रेजी माह के अनुसार 21 अगस्त 2023 को शुक्ल पक्ष की पंचमी को नागपंचमी का त्योहार रहेगा।

पंचम्यां तत्र भविता ब्रह्मा प्रोवाच लेलीहान।
तस्मादियं महाबाहो पंचमी दयिता सदा।
नागानामानन्दकरी दंत वै ब्रहनणा पुरा।।

अर्थात : ब्रह्माजी ने पंचमी तिथि को ही नाग-सर्पों को वर दिया था कि जन्मेजय के सर्प यज्ञ के दौरान ऋषि आस्तिक आपकी रक्षा करेंगे। पंचमी के दिन ही आस्तिक मुनि ने नागों की रक्षा की थी इसलिए पंचमी तिथि नागों को विशेष प्रिय है।

नागपंचमी पर नागों की क्रमशः पूजन करें।

पूजन के बाद सर्प देवता से प्रार्थना करें, नमस्कार करें, जैसे अन्य देवताओं को नमस्कार करते हैं, वैसे ही सर्पों को नमस्कार का विधान वेदों में बताया गया है।

नमोस्तु सर्पेभ्यो ये के च पृथ्वीमनु।
ये अंतरिक्षे ये दिवितेभ्यः सर्पेभ्यो नमः।।

जो सर्प पृथ्वी के अंदर व अंतरिक्ष में हैं और स्वर्ग में हैं, उन सर्पों को नमस्कार है। राक्षसों के लिए बाण के समान तीक्ष्ण और वनस्पति के अनुकूल तथा जंगलों में रहने वाले सर्पों को नमस्कार है।

ये वामी रोचने दिवो ये वा सूर्यस्य रश्मिषु।
येषामपसु सदस्कृतं तेभ्यः सर्वेभ्योः नमः।।

जो सूर्य की किरणों में सूर्य की ओर मुख किए हुए चला करते हैं तथा जो सागरों में समूह रूप से रहते हैं, उन सर्पों को नमस्कार है। तीनों लोकों में जो सर्प हैं, उन्हें भी हम नमस्कार करते हैं।

विशेष : जो व्यक्ति नागपंचमी को सोने, चांदी व तांबे के नाग बनवाकर शिव मंदिर में चढ़ाता है व ब्राह्मण को दान देता है, उसका हमेशा के लिए सर्प का भय खत्म हो जाता है और वह स्वर्गलोक को प्राप्त होता है।

नागपंचमी के दिन करें इन 8 नागों की पूजा

21 अगस्त को शुक्ल पक्ष की पंचमी को नागपंचमी का त्योहार मनाया जाएगा। पूर्ण पृथ्वी का भार, संभालने वाले शेषनाग व भगवान शिवजी के गले में शोभायमान नाग महाराज को हमारे पूर्वज, देव, दानव व किन्नर सभी पूजते हैं। नागपंचमी के दिन नाग महाराज का पूजन करने से नाना प्रकार के कष्ट खत्म हो जाते हैं, इस दिन जिस व्यक्ति को राहु-केतु की दशा या महादशा चल रही हो, कालसर्प दोष हो उस जातक को प्रसिद्ध शिवलिंग पर नाग-नागिन का चांदी अथवा पंचधातु का जोड़ा चढ़ाना चाहिए। समस्त दोषों से मुक्ति मिल जाती है। इस दिन नागों की पूजा प्रधान रूप से की जाती है। कुछ प्रदेशों में चैत्र व भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी नाग पंचमी मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं। इस दिन अष्ट नागों की पूजा प्रधान रूप से की जाती है। नागों की पूजा के पूर्व मां मनसा देवी की पूजा करना जरूरी है। अष्टनागों के नाम है -

- अनन्त (शेष) : विष्णु के सेवक
- वासुकि : शिव के सेवक
- पद्म
- महापद्म
- तक्षक
- कुलीर
- कर्कोटक
- शंख

भारत में उपरोक्त आठों के कुल का ही क्रमशः विस्तार हुआ जिनमें निम्न नागवंशी रहे हैं- महापद्म, कुलिक, नल, कवर्धा, फणि-नाग, भोगिन, सदाचंद्र, धनधर्मा, भूतनंदि, शिशुनंदि या यशनंदि तनक, तुश्त, ऐरावत, धृतराष्ट्र, अहि, मणिभद्र, अलापत्र, शंख चूड़, कम्बल, अंशतर, धनंजय, कालिया, सौंफू, दौद्धिया, काली, तखतू, धूमल, फाहल, काना, गुलिका, सरकोटा इत्यादी नाम के नाग वंश हैं। अग्निपुराण में 80 प्रकार के नाग कुलों का वर्णन है।

वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का महत्व व रहस्य

श्रावण माह में भगवान शिव की पूजा की जाती है। भगवान शिव की कृपा से व्यक्ति के जीवन में खुशहाली का आगमन होता है। सावन में शिव की पूजा और अराधना से भक्तों की सभी मनोकामना पूर्ण होती हैं। वैसे तो भगवान शिव की पूजा प्रत्येक सोमवार को किया जाता है, लेकिन सावन में शिव पूजा को बहुत महत्वपूर्ण बताया गया है। देश के प्रत्येक कोने में भगवान शिव के शिवलिंग हैं, लेकिन 12 ज्योतिर्लिंग बहुत ही खास हैं। इन **ज्योतिर्लिंग के दर्शन मात्र से सभी कष्ट** दूर हो जाते हैं।

श्री वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग भगवान शिव के 12 **ज्योतिर्लिंगों में से एक है। वैद्यनाथ** मंदिर में **भगवान शिव का 9 वां ज्योतिर्लिंग** श्री बैद्यनाथ जी **के रूप में स्थापित है। सावन के** महीने में जहां लाखों श्रद्धालु कांवड़ यात्रा करने आते हैं और भगवान वैद्यनाथ जी को जल अर्पित करते हैं।

श्री वैद्यनाथ धाम ज्योतिर्लिंग मंदिर हिंदुओं का प्रमुख एवं प्रसिद्ध मंदिर है। इस मंदिर में भगवान शिव की पूजा आराधना बाबा वैद्यनाथ के रूप में की जाती है।यह मंदिर भारत के झारखंड राज्य के देवघर पर **स्थित है, सिद्ध पीठ होने की वजह से** यहां भक्तों की मुरादे जल्दी पूरी होती हैं इसलिए इस ज्योतिर्लिंग को कामना लिंग भी कहते हैं। शिव पुराण के अनुसार भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों की गणना में श्री **बैजनाथ धाम ज्योतिर्लिंग को नौवां स्थान** प्राप्त है। इस **बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का इतिहास और** पौराणिक कथा दशकंधर रावण से जुड़ी हुई है।

भगवान शिव का वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग माता सती के **52 शक्तिपीठों में से भी एक है जहां** माता सती का **हृदय गिरा था इसलिए इस शक्तिपीठ** को हार्दपीठ के नाम से भी जाना जाता है।

वैद्यनाथ धाम ज्योतिर्लिंग मंदिर का इतिहास

भारतीय पुराणों के अनुसार लोक कल्याण एवं प्रकृति कल्याण के लिए भगवान शिव 12 जगहों पर प्रकट हुए और लिंग के रूप में विराजमान रहे, **उन 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग भी है जो नौवां प्रमुख ज्योतिर्लिंग के** रूप में पूजा जाता है।

वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग कहां स्थित है?

भारत में बैद्यनाथ नाम से तीन मंदिर स्थित है एक झारखंड के देवगढ़ जिले में स्थित है, दूसरा महाराष्ट्र स्थित है, और तीसरा हिमांचल प्रदेश में स्थित है, वैद्यनाथ मंदिर विवादित बना हुआ है, शिव महापुराण के अनुसार वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग की स्थापना महादेव के परम भक्त महा पराक्रमी राक्षस **राज रावण ने की थी। राक्षस राज** रावण महादेव **को कैलाश पर्वत से लंका ले जाना चाहता था ताकि** वह अपना सारा जीवन भगवान की आराधना में बिता सकें।

वैद्यनाथ धाम मंदिर का महत्व

देवघर को देवी देवताओं का घर कहा जाता है यहां हर साल सावन में बहुत बड़ा श्रावणी मेला लगता है और यहां लाखों शिवभक्तों एवं काँवरियों की भीड़ सुल्तानगंज से गंगा जल भर कर 108 किलोमीटर पैदल यात्रा करके भगवान शिव को जल अर्पित **करते हैं। बैधनाथ धाम** की यात्रा श्रावण माह से शुरु होकर भाद्रमास तक लगातार चलती रहती है बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर के बगल में एक विशाल तालाब है जिसके आस पास बहुत सारे मंदिर बने हुए हैं और यहां शिव मंदिर माता पार्वती के मंदिर से जुड़ा हुआ है पुराणों के अनुसार कहा जाता है। कि वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर के बाद **वासुकी नाथ शिव मंदिर** दर्शन किए जाते हैं जोकि देवघर से 42 किलोमीटर एक छोटे से गांव में स्थित है।

शिव के सुरक्षाकवच पंचशूल का महत्व

इस प्रसिद्ध वैद्यनाथ धाम के परिसर के सभी मंदिरों (शिव पार्वती, लक्ष्मी नारायण मंदिर) के शिखरों **पर त्रिशूल की जगह** पंचशूल लगा हुआ है जिसे एक अजय शक्ति माना जाता है जोकि एक सुरक्षा कवच की तरह है। इस प्रकार का पंचशूल रावण ने **अपनी लंका की सुरक्षा के लिये चारों ओर लगवाया था। इस विद्या** का ज्ञान रावण को राक्षसों के गुरु शुक्राचार्य से हुआ था। यह इतना शक्तिशाली था कि भगवान राम भी इसे भेद नहीं **पा रहे थे तो विभिषण ने** इस रहस्य को उजागर किया था। यह पंचशूल प्रतिवर्ष शिवरात्री के दो दिन पहले उतारकर इसकी विशेष पूजा की जाती है इस दौरान लाखों श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है इस पंचशूल को स्पर्श करके श्रद्धालु आर्शीवाद प्राप्त करते हैं। पूजा के उपरांत इन सभी को शिखरों पर पुनः लगा दिया जाता है। इस पूजा में शिव एवं पार्वती के मंदिरों के गठबंधन को हटाकर नया **गठबंधन भी किया जाता है।**

वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर की जानकारी

बैद्यनाथ मंदिर जिस जगह स्थित है उस स्थान **को देवघर** कहा जाता है अर्थात देवताओं का **घर कहा** जाता है देवघर में बाबा भोलेनाथ का **पवित्र** एवं भव्य मंदिर स्थित है। यहां पर हर **साल सावन** के महीने में श्रावण मेरा लगता है जिसमें लाखों श्रद्धालु बोल बम का जयकारा लगाते हुए दर्शन को आते हैं। यह सभी श्रद्धालु **अत्यंत कठिन** पैदल यात्रा कर सुल्तानगंज से **पवित्र** गंगाजल लेकर बाबा को चढ़ाते हैं वैद्यनाथ की पवित्र यात्रा श्रावण मास में शुरू होती और सभी श्रद्धालु सुजानगंज से पवित्र **गंगाजल** अपने-अपने कांवर में भरकर बाबा **बैद्यनाथ** धाम चढ़ाने को जाते हैं एवं पवित्र **गंगाजल ले जाते हुए सभी श्रद्धालु यह ध्यान** रखते हैं कि जिस पात्र में गंगाजल है वह भूमि से ना सके, 1757 प्लासी के युद्ध के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारियों का ध्यान **इस मंदिर** पर पड़ा। एक अंग्रेजी अधिकारी किटिंग ने अपने कुछ आदमियों को मंदिर का शासन प्रबंध देखने के लिए भेजा अंग्रेजी **कलेक्टर** मिनिस्टर कीटिंग 1788 में स्वयं बाबा धाम आए और उन्होंने पुजारी के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप को जबरदस्ती बलपूर्वक बंद करवा **दिया।** मंदिर की सभी नियंत्रण की जिम्मेदारी सर्वोच्च पुजारी को सौंप दी।

शक्तिपीठ भी है देवघर का बैद्यनाथ मंदिर, यहां गिरा था माता सती का हृदय

देवघर का बैद्यनाथ धाम द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक है. इस द्वादश ज्योतिर्लिंग **की सबसे बड़ी खासियत यह है कि** यह विश्व का इकलौता शिव मंदिर है, जहां **शिव और शक्ति एक साथ विराजमान** हैं. इसलिए इसे शक्तिपीठ भी कहते हैं. **पौराणिक कथाओं में वर्णित है कि** यहां माता सती का हृदय कट कर गिरा था **इसलिए इसे हृदय पीठ भी कहते हैं.** मान्यता है कि बाबा भोले के भक्त जब **सावन में बाबा बैजनाथ मंदिर में कां**वर लेकर आते हैं तो उन्हें शिव और शक्ति **दोनों का आशीर्वाद मिलता है. इसलि**ए द्वादश ज्योतिर्लिंग बाबा बैजनाथ के **मंदिर को शक्तिपीठ भी कहा जाता** है. सावन के महीने में यहां लाखों श्रद्धालु **भगवान भोले शंकर को जल चढ़ने** के लिए पहुंचते हैं.

बाबाधाम की पौराणिक मान्यताए

दरअसल वेदों में वर्णित है कि राजा दक्ष के महायज्ञ में शिव को नहीं बुलाए **जाने पर माता सती रुष्ट हो गई थीं और अग्निकुंड में खुद को समाहित कर लिया था जिसके बाद भगवान शिव** क्रोधित हो गए थे और माता सती के मृत **शरीर को अपने कंधे पर लेकर तांड**व करने लगे थे. शिव के इस क्रोध से प्रलय आ जाता ऐसे में भगवान विष्णु के चक्र से सती के शरीर के टुकड़े टुकड़े कर दिए गए जहां जहां भी शरीर का हिस्सा गिरा व शक्तिपीठ कहलाया. देवघर बैद्यनाथ धाम में माता का हृदय कटकर गिरा था इसलिए इसे शक्तिपीठ भी कहते हैं.

शिव और शक्ति एक साथ विराजमान

बाबा बैद्यनाथ मंदिर विश्व का एकमात्र शिवालय है जहां पर शिव और शक्ति एक **साथ विराजमान हैं. यही कारण है कि** इसे शक्ति पीठ और हृदय पीठ भी कहते **हैं. ऐसा माना जाता है कि इस नगरी** में आने से शिव और शक्ति दोनों का आशीर्वाद **मिलता है. पुरोहित बताते हैं कि** यहां पहले शक्ति स्थापित हुई उसके बाद **शिवलिंग की स्थापना हुई है. भगवान** भोले का शिवलिंग सती के ऊपर स्थित है. **इसलिए इसे शिव और शक्ति** के मिलन स्थल के रूप में भी जाना जाता है.

मनोकामना लिंग के नाम से भी प्रसिद्ध

यहां आने वाले सभी भक्तों की मनोकामना पूरी होती है. यहां आने वाले भक्तों को शिव और शक्ति दोनों के आशीर्वाद मिलते हैं. यही कारण है कि इसे मनोकामना लिंग भी कहते हैं. यहां सच्चे मन और श्रद्धा से मांगी गई सभी **मनौति पूरी हो जाती है. श्रद्धालु बताते** हैं कि यह विश्व का इकलौता मंदिर है **जहां शिव और शक्ति है एक साथ** विराजमान हैं. इसलिए श्रद्धालु जब बाबा धाम आते हैं तो जल का एक पात्र शिवलिंग पर अर्पित करते हैं और दूसरा पार्वती मंदिर में अर्पित करते हैं। श्रद्धालु बताते हैं कि यहां मांगी गई सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है.

वैद्यनाथ का एक नाम मनरोगहर तीर्थ भी

वैद्यनाथ का एक नाम मनरोगहर तीर्थ भी है. यहां एक पुष्करिणी है, जिसका शास्त्रीय नाम भवरोगहर कुंड है. वर्तमान में यह शिवगंगा सरोवर के नाम से **प्रसिद्ध है. वैद्यनाथ मानव के कामिक,** वाचिक और मानसिक व्याधियों के **विनाशक देव हैं. इसलिए शिव के इस** लिंग विग्रह को वैद्यनाथ के **नाम से संबोधित किया जाता है.** वैद्यनाथ नामकरण की **सार्थकता के मूल में एक और तथ्य** है. यहां के मंदिर के **भीतरी गर्भगृह में** चंद्रकांत मणि है.

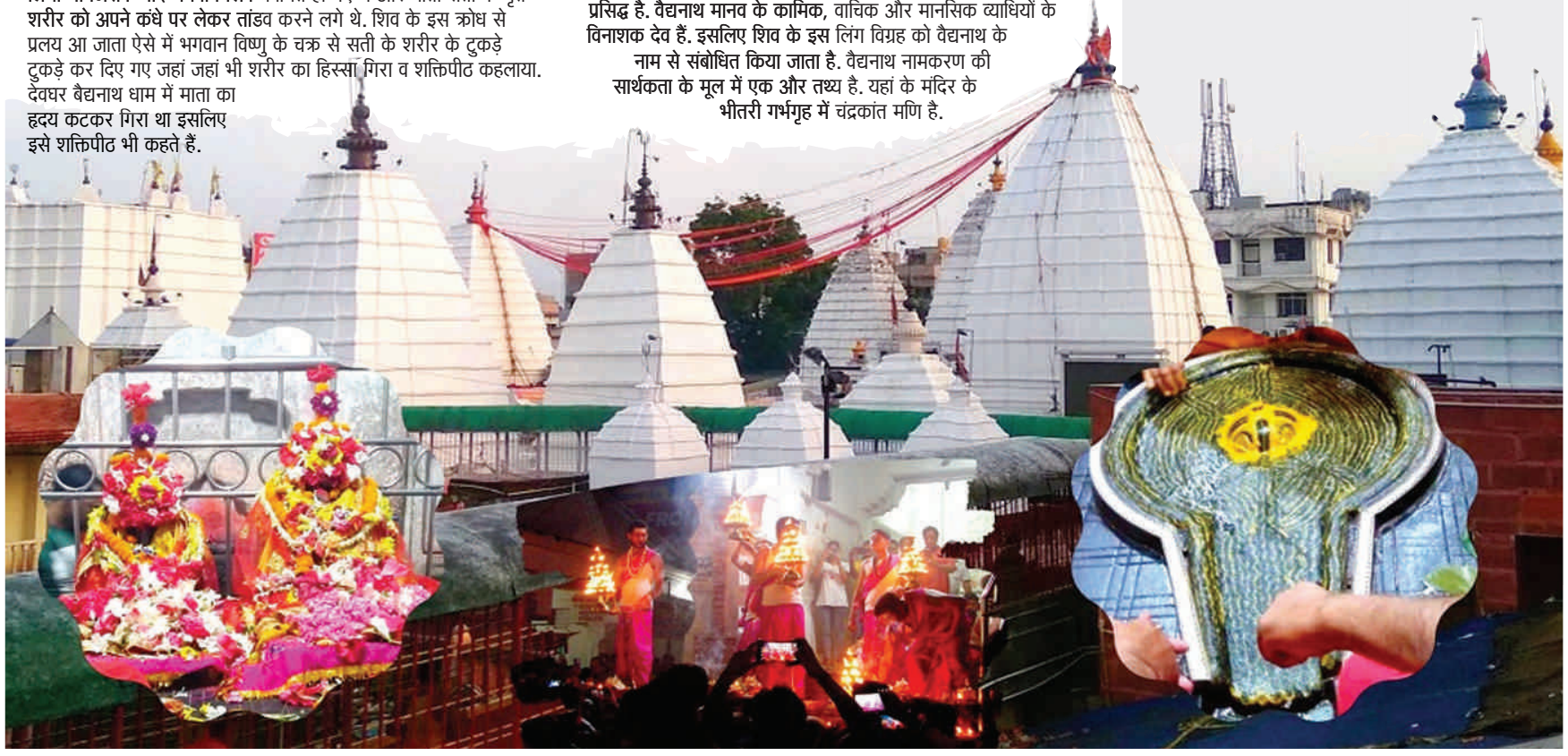

रावण की गलती से यहां विराजमान हुए बाबा बैद्यनाथ

सावन में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग का मात्र नाम जपने से सारे दुख दूर हो जाते हैं. बाबा भोलेभंडारी के द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक है बैद्यनाथ धाम. झारखंड के देवघर में है बैद्यनाथ धाम. कहते हैं यहां आने वाले सभी भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है इसलिए इस शिवलिंग को कामना लिंग भी कहा जाता है. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार ये शिवलिंग रावण की भक्ति का प्रतीक है.

बैधनाथ देश का एक ऐसा ज्योतिर्लिंग है जो शक्तिपीठ भी है. यहां देवी सती का हृदय गिरा था. कहते हैं कि यहां बाबा माता सती के हृदय में विराजमान है इसलिए इस ज्योतिर्लिंग को हृदयापीठ भी कहा जाता है.

मंदिर को लेकर एक रहस्य आज भी बरकरार है कि यहां भक्त मुरादें लेकर आते हैं लेकिन शिवलिंग को स्पर्श करते ही अपनी मनोकामना भूल जाते हैं. **शिवधाम में त्रिशूल लगा होता है लेकिन बैद्यनाथ** मंदिर में पंचशूल लगा है. कहते हैं ये पंचशूल सुरक्षा कवच है. मान्यता है कि इसके यहां रहते हुए कभी मंदिर पर कोई आपदा नहीं आ सकती. **बैद्यनाथ मंदिर का ये पंचशूल मान**व शरीर के पांच **विकार काम, क्रोध, मद, लोभ,** मोह को नाश करने का प्रतीक है.

बाबा बैजनाथ धाम की कथा

रावण शिव जी का परम भक्त था. शंकर जी को **प्रसन्न करने के लिए उसने घोर** तपस्या की और एक-एक कर उसने **अपने 9 सिर** काटकर शिवलिंग **पर चढ़ा दिए. जैसे ही दसवां सिर** काटने की बारी **आई तो महादेव ने प्रसन्न होकर** उसे दर्शन दिए और वर मांगने को कहा. रावण ने शिव जी के लंका चलने का वरदान मांगा.

महादेव को लंका ले जाना चाहता था रावण

महादेव ने उसकी इच्छा स्वीकार तो की लेकिन एक **शर्त के साथ. उन्होंने कहा कि रास्ते में उसने अगर कहीं भी शिवलिंग को रखा तो वो** वहीं विराजमान हो **जाएंगे. रावण ने शर्त मान ली. देव**घर के पास आकर **रावण ने शिवलिंग नीचे रखा और** वह वहीं जम गया. बाद में रावण ने शिवलिंग को उठाने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह हिला तक नहीं. रावण प्रभू की लाला समझ गया और क्रोधित होकर शिवलिंग पर अपना अंगूठा गढ़ा दिया. देवताओं ने शिवलिंग की पूजा की, तब भगवान शिव ने वरदान दिया था कि इसकी पूजा करने वालों की हर मनोकामना पूरी होगी. ये तीर्थ रावणेश्वर रावणेश्वर धाम से भी प्रख्यात है.

पाकिस्तान में 142 रुपये किलो बिक रहा आटा, गरीबों का हो रहा जीना मुहाल

इस्लामाबाद ।पाकिस्तान में इन दिनों महंगाई जहां चरम सीमा पर है, वहीं गरीबों को रोटी नसीब होना मुश्किल हो रहा है। जानकारी के अनुसार कंगाली की दहलीज पर खड़े पाकिस्तान में एक बार फिर आटे की कीमतों में भारी उछाल देखा गया है। कीमतों में इतनी ज्यादा बढ़ोत्तरी ने गरीब पाकिस्तानियों की थाली से दो वक्त की रोटी तक छीन ली है। जानकारी के मुताबिक कार्यवाहक सरकार ने पूरे पाकिस्तान में यूटिलिटी स्टोर्स पर आटे की कीमतों में भारी वृद्धि की है। लाहौर मे यूटिलिटी स्टोर्स में 20 किलो आटे की थैली की कीमत में 1544 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जबकि 10 किलो की कीमत में 772 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इस वृद्धि के बाद पाकिस्तान में 20 किलो आटे की कीमत 1296 रुपये से बढ़कर 2840 रुपये हो गई है, जबकि 10 किलो बैग की कीमत 1420 रुपये हो गई है। इससे पहले, पंजाब की प्रांतीय राजधानी के खुले बाजार में 20 किलो आटे के बैग की कीमत 2,900 रुपये तक थी। जानकारी के मुताबिक, खुले बाजार में 40 किलो गेहूं की बोरी की कीमत 50 रुपये की बढ़ोतरी के बाद 4800 रुपये के पार पहुंच गई है। गेहूं की कीमत में बढ़ोतरी के कारण लाहौर में 20 किलो आटे की थैली दुकानदारों ने 2,930 रुपये में बेची, जबकि 10 किलो की थैली 1,470 रुपये में बेची जा रही है। पंजाब में बाजार मामलों के सचिव ने कहा कि उनकी टीम गेहूं माफियाओं की गतिविधियों पर नजर रख रही है और पूरे प्रांत में डिप्टी कमिश्नर और कमिश्नर लगातार छापेमारी की कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि छापेमारी की कार्रवाई के कारण अब तक हजारों टन गेहूं को पकड़ा जा चुका है, जिन्हें जल्द ही बाजार के लिए जारी किया जाएगा। वहीं, पाकिस्तान के कराची में आटे की कीमतें 3200 रुपये प्रति 20 किलोग्राम बैग के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। ऐसे में लोगों को एक किलो आटा के लिए 160 रुपये से अधिक खर्च करना पड़ रहा है, क्योंकि खुदरा व्यापारी इसमें अपना कमीशन भी शामिल कर रहे हैं।

पाकिस्तान में पिकअप वैन से टक्कर के बाद बस में लगी आग ; 16 यात्रियों की मौत

इस्लामाबाद ।पाकिस्तान के पंजाब के पिंडी भट्टियां इलाके के पास फैसलाबाद मोटरवे पर रविवार तड़के एक बस में आग लगने से 16 लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल ने बचाव अधिकारियों के हवाले से बताया कि 35 से 40 यात्रियों को लेकर बस कराची से इस्लामाबाद जा रही थी। रिपोर्ट के अनुसार जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि डीजल ड्रम ले जा रही एक पिकअप वैन से टकराने के बाद बस में आग लग गई। अ?धिकारी ने कहा कि ज्यादातर घायल यात्रियों की हालत गंभीर है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि दोनों वाहनों के ड्राइवरों की मौत हो गई, दुर्घटना के समय आसपास मौजूद लोगों ने खिड़कियां तोड़कर यात्रियों को बस से बाहर निकालने की कोशिश की। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में स्वतंत्रता दिवस के बाद पंजाब प्रांत में काफी सड़क दुर्घटनाएं देखी गईं। 1,659 यातायात दुर्घटनाओं में 17 लोगों की मौत हो गई और 1,773 अन्य घायल हो गए। लाहौर में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। 14 अगस्त को लाहौर के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए मरीजों पर असाधारण बोझ देखा गया। आपातकालीन सेवा विभाग (ईएसडी) द्वारा संकलित आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 13 अगस्त को पूरे प्रांत में हुई 1,234 सड़क दुर्घटनाओं में नौ लोगों की मौत हो गई और 1,338 अन्य घायल हो गए। लाहौर के प्रमुख सरकारी अस्पतालों के दुर्घटना और आपातकालीन वार्डों में 14 अगस्त को सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए मरीजों का असाधारण बोझ देखा गया।

हिलेरी तूफान ने अमेरिका को हिलाकर रख दिया, दक्षिण-पश्चिम में भारी बारिश व बाढ़ का कहर

न्यूयॉर्क ।हिलेरी तूफान ने अमेरिका को हिलाकर रख दिया है। यहां हो रही भारी बारिश और भीषण बाढ़ के कहर से लोगों का जीवन खतरे में आ गया है। मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका और कैलिफ़ोर्निया के कुछ हिस्सों में भारी बाढ़ की आशंका है। हिलेरी से कैलिफ़ोर्निया, नेवादा और एरिज़ोना के कुछ हिस्सों में एक साल से अधिक की बारिश हो सकती हैं। कैलिफ़ोर्निया के कुछ हिस्सों में भारी बाढ़ की आशंका है। नेशनल हरिकेन सेंटर के अनुसार हिलेरी श्रेणी 4 का एक शक्तिशाली तूफान है, जो शुक्रवार दोपहर मैक्सिको के काबो सान लुकास से लगभग 360 मील दक्षिण में तेज हवाओं के साथ 145 मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहा था। वहीं दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया के कुछ हिस्सों को पहली बार शुक्रवार को उष्णकटिबंधीय तूफान की निगरानी में रखा गया था। पूर्वानुमानकर्ताओं के अनुसार इससे व्यापक बाढ़ आ सकती है, जो तबाही के लिए पर्याप्त है। वहीं तूफान केंद्र ने कहा कि उसे उम्मीद है कि तूफान हिलेरी शनिवार रात जब बाजा कैलिफोर्निया प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के पास पहुंचेगा। लेकिन रविवार दोपहर दक्षिणी कैलिफोर्निया से टकराने से पहले यह कमजोर होकर एक उष्णकटिबंधीय तूफान में बदल जाएगा। हालांकि तूफान हिलेरी के दक्षिणी कैलिफोर्निया की ओर बढ़ने की खबर ने लगभग 84 साल पहले राज्य में आए उष्णकटिबंधीय तूफान एल कॉर्डोनाज़ो की याद दिला दी है। गौरतलब है कि एल कॉर्डोनाज़ो, जो सितंबर 1939 में लॉन्ग बीच पर पहुंचा था, कैलिफोर्निया में दर्ज किया गया आखिरी उष्णकटिबंधीय तूफान है।

ब्रजील में पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो के करीबी पुलिस वाले गिरफ्तार

ब्रासीलिया। ब्राजील की संघीय पुलिस ने ब्रासीलिया में सरकारी भवनों पर आठ जनवरी को हुए हमलों के मामले में दक्षिण पंथी दंगाइयों की मदद करने के आरोप में सात वरिष्ठ सैन्य पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। अभियोजकों का कहना है कि अधिकारियों के मोबाइल फोन में मिले संदेशों से साफ होता है कि ब्रासीलिया की सैन्य पुलिस को पता था कि हमलावरों की मंशा क्या है। अभियोजकों का कहना है कि अधिकारियों ने हमलों को रोकने की कोई कोशिश नहीं की बल्कि उन्होंने राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को हटाने और पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो को फिर से सत्ता में लाने के दंगाइयों के प्रयासों में उनकी मदद की। फिलहाल अधिकारियों पर कोई आरोप तय नहीं हुए हैं। गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में ब्रासीलिया की सैन्य पुलिस के जनरल कमांडर क्लेप्टर रोजा गोंकाल्वेस भी शामिल हैं। पुलिस ने तीन अन्य लोगों को भी हिरासत में लिय है। अभियोजकों ने कहा कि सैन्य अधिकारियों को मालूम था कि प्रदर्शनकारियों का इरादा राजधानी पर हमला करने और देश की इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणाली की वैधता के बारे में गलत जानकारी फैलाने का था। आठ जनवरी को दंगाइयों ने सुरक्षा अवरोधकों को तोड़ते हुए सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रपति भवन तथा अन्य सरकारी भवन पर हमला किया था।

हवा में विमान, पायलट की हार्टअटैक से मौत... 271 यात्रियों की सांसे फूली

वाशिंगटन । विमान हवा में हो और पायलट की तबीयत बिगड़ जाए इसतरह के कई मामले सामने आए हैं। ऐसी स्थिति में को-पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग कराई है। लेकिन ताजा मामला और अधिक डराने वाला है। दरअसल, 271 यात्रियों के साथ मियामी से चिली की कमर्शियल फ्लाइट में जो हुआ वह सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। दरअसल, विमान के पायलट की उड़ान के बीच ही मौत हो गई। उड़ान के कमांडर, 56 वर्षीय इवान अंदाउर रात लगभग 11 बजे विमान के वाशरूम में गए। यहां बाथरूम के भीतर ही गिरकर अचानक उनकी मौत हो गई। बाद में मालूम हुआ कि इवान को हार्टअटैक आया था। बाथरूम में हादसे की खबर लगते सह-पायलटों ने पनामा सिटी के टोकुमेन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की। यहां जांच के बाद मेडिकल टीम ने साफ कर दिया कि इवान की मौत हो गई है। विमान के उतरते ही दो डॉक्टरों के साथ एक नर्स पायलट की सहायता के लिए दौड़ी। तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। एक यात्री ने बताया कि उड़ान के लगभग 40 मिनट बाद, एक सह-पायलट ने विमान में सभी मौजूद डॉक्टरों के लिए अनुरोध जारी किया। जैसे ही अंदार की हालत बिगड़ती गई, स्थिति की गंभीरता को देखकर लैंडिंग पर विमान को खाली कराने का निर्णय लिया गया।

उड़ान संचालन फिर से शुरू होने तक यात्रियों को पनामा सिटी के होटलों में ठहराया गया।

कनाडा में मैकडग क्रीक के जंगलों में लगी आग के बाद घरों की ओर बढ़त हुआ धूआं।

जापान के लोगों की सफाई के प्रति जबदस्त दीवानगी

टोक्यो । जापान का हर शहर, गली, घर, आफिस और जगहें इतनी साफ रहती हैं कि हर कोई इससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। चाहे ट्रेनों और प्लेटफॉर्म की सफाई हो या फिर सार्वजनिक शौचालय - जापान के लोगों की सफाई के प्रति दीवानगी की जबदस्त है। जापानियों का सफाई के प्रति जुनून के पीछे काफी हद तक उनकी धार्मिक आदत भी है, क्योंकि शिंतो धर्म में पारम्परिक शुद्धिकरण पर जोर दिया जाता है।जापान में बचपन से ही सफाई को एक संस्कार की तरह बच्चों में डाला जाता है। सफाई का जापान के सामाजिक मूल्यों से गहरा नाता है। यहां बच्चों को स्कूल जाने से पहले ही साफ सफाई के बारे में बताया जाता है। जब अभिभावक बच्चों को लेने स्कूल जाते हैं तो उन्हें बच्चों की उपयोग की हुई नैपी का बैग दिया जाता है, जिसे वो घर जाकर अपने कचरे की डब्बे में डालें। जापान के प्राथमिक स्कूलों के बच्चों को पहले ही दिन से साफ सफाई सिखाई जाती है। इसीलिए अभिभावकों को खेल की किट, कॉपी किताबों और अन्य सामानों के साथ बहुत से सफाई करने वाले कपड़े भी खरीदने पड़ते हैं। बच्चे यहां पहले ही दिन से अपने क्लासरूम और लंच के बाद अपनी डेस्क को साफ करते हैं। साफ सफाई यहां के रोजमर्रा की जिंदगी के हर पहलू में नजर आती है। यहां की गलियां कचरे से मुक्त रहती हैं। इससे भी खास बात यह है कि यहां सार्वजनिक कचरे के डिब्बे बहुत कम दिखते हैं क्योंकि लोग अपना कचरा भी खुद ही घर ले जाते हैं।जापान में हुए विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में जापान की कोलंबिया पर जीत के बाद फैन्स ने जीत के जश्न के दौरान एक ब्रेक लिया और मैदान की सफाई कर एक मिसाल पेश की थी।

कठपुतली केयरटेकर सरकार ने अब बातचीत के लिए शुरू किया गिड़गिड़ाना, जानें क्या है मनमोहन-मुशर्रफ फॉर्मूला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के नए विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी ने दोनों देशों के बीच शांति लाने के लिए दशक पुराने मुशर्रफ-मनमोहन फॉर्मूले को पुनर्जीवित करने की मांग की है। मुशर्रफ-मनमोहन फॉर्मूला 2006 में तैयार किया गया था और इसमें जम्मू-कश्मीर में शांति के लिए एक महत्वाकांक्षी प्रयास की परिकल्पना की गई थी। जिलानी ने पाकिस्तान के विदेश सचिव और अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित महत्वपूर्ण राजधानियों में पाकिस्तान के राजदूत के रूप में कार्य किया। बता दें कि जिलानी जिस योजना के बारे में बात कर रहे हैं वो पूर्व सैन्य शासकों जनरल परवेज़ मुशर्रफ और भारत के पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह के शासनकाल के दौरान बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि इससे दोनों ही परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच शांति आएगी।

मुशर्रफ-मनमोहन फॉर्मूले में कश्मीर में शांति के लिए एक महत्वाकांक्षी प्रयास की परिकल्पना की गई थी, जो आजादी के बाद से दोनों देशों के बीच विभाजित है। जिलानी 2003 में नई दिल्ली में उप उच्चायुक्त थे, जब भारत सरकार ने उन पर जम्मू और कश्मीर में अलगाववादी गतिविधियों के लिए पैसा जुटाने का दोषी पाते हुए अवांछित घोषित कर दिया। जिलानी के करीबी सूत्रों ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून

को बताया कि वह भारत के साथ रिश्ते सुधारने के पक्ष में हैं। विदेश मंत्री ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि भारत के साथ संबंधों में सुधार जम्मू-कश्मीर के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे सहित सभी लंबित मुद्दों के समाधान पर निर्भर है।

सूत्रों ने कहा, जिलानी का विचार था कि पाकिस्तान को मुशर्रफ-मनमोहन समय के दौरान शांति प्रक्रिया को पुनर्जीवित करने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए विभिन्न विकल्प तलाशने चाहिए। विदेश मंत्री का मानना है कि 2004 और 2007 के बीच दोनों देशों के बीच बातचीत फिर से शुरू की जा सकती है, बशर्ते दोनों पक्ष राजनीतिक इच्छाशक्ति और संकल्प दिखाएं। उस शांति प्रक्रिया को जम्मू-कश्मीर सहित अपने पुराने विवादों को सुलझाने के लिए दोनों देशों द्वारा किया गया सबसे निरंतर प्रयास माना गया था।

उस दौर में भारत और पाकिस्तान के बीच पर्दे के पीछे से हुई बातचीत से एक समय में कश्मीर विवाद के समाधान की दिशा में एक संभावित रोडमैप भी बन गया था। ऐसा कहा जाता है कि साल 2007 में मनमोहन सिंह के पाकिस्तान दौरे पर इस समझौते पर हस?ताक्षर होना था। हालांकि जनरल मुशर्रफ ने अचानक से सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को हटा दिया जिससे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और मुशर्रफ को आखिरकार सत्ता छोड़नी पड़ी।

भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ में दूसरे नंबर पर

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ में भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। इस तरह से चुनाव में भारतीयों की दिलचस्पी और बढ़ती जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार रिपब्लिकन पार्टी के भीतर उम्मीदवारों की रेस में भारतीय मूल के अमेरिकी विवेक रामास्वामी तेजी से आगे बढ़ते दिख रहे हैं। एक नए सर्वे में वह फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डिसेंटिस के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। एमर्सन कॉलेज सर्वे के मुताबिक डिसेंटिस और रामास्वामी 10-10 प्रतिशत के साथ बराबरी पर हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 56 प्रतिशत समर्थन के साथ सबसे आगे हैं। एमर्सन के ताजा पोलिंग सर्वे को डिसेंटिस के लिए बुरी खबर की तरह देखा जा रहा है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डिसेंटिस की लोकप्रियता जून में 21 प्रतिशत पर थी, जो कि अब 10 प्रतिशत पर है। वहीं रामास्वामी पहले के महज 2 प्रतिशत से बढ़कर अब 10 फीसदी की पसंद के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सर्वेक्षणकर्ताओं को रामास्वामी की तुलना में डिसेंटिस समर्थकों का समर्थन अस्थिर सा लगा। रामास्वामी समर्थकों में से लगभग आधे ने कहा कि वे निश्चित रूप से उन्हें वोट देंगे। जबकि डिसेंटिस समर्थकों में से सिर्फ एक-तिहाई ने ही ये भरोसा दिलाया। इस बीच 80 फीसदी से ज्यादा ट्रंप समर्थकों ने कहा कि वे निश्चित तौर पर पूर्व राष्ट्रपति को वोट देंगे। बता दें कि यह सर्वे तब जारी हुआ, जब डिसेंटिस की उम्मीदवारी का समर्थन करने वाले सुपर पीएसी का एक मेमो लीक हुआ। राजनीतिक समिति के मेमो में डेसेंटिस से रामास्वामी को चूर-चूर करने की बात कही गई थी। एमर्सन कॉलेज पोलिंग के कार्यकारी निदेशक स्पेंसर किमबॉल ने कहा कि रामास्वामी ने पोस्ट-ग्रेजुएट डिग्री वाले मतदाताओं का साथ हासिल किया है। अब 35 वर्ष से कम उम्र के मतदाताओं में से केवल 15 प्रतिशत ही उनके साथ बचे हैं।

इमरान खान के करीबी रहे पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी गिरफ्तार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कुरैशी भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी बताए जा रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-पाकिस्तान (पीटीआई) पार्टी के उपाध्यक्ष कुरैशी की गिरफ्तारी के बाद संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) उन्हें अपने मुख्यालय लेकर आई। हालां?कि अभी यह खुलासा नहीं हुआ है कि कुरैशी को किस आरोप में गिरफ्तार किया गया है। लेकिन मौजूदा समय में एफआईए जेल में बंद पीटीआई प्रमुख खान से गायब हुए कूटनीतिक दस्तावेज के सिलसिले में पूछताछ कर रही है। खान लंबे समय से दावा कर रहे हैं कि उनके पास 'विदेशी साजिश' के सबूत हैं जिसके तहत उन्हें पिछले साल अप्रैल में प्रधानमंत्री पद से हटाया गया। पीटीआई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा करके कहा कि पार्टी उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी को फिर से गैर कानूनी तरीके से गिफ्तार किया गया है। गोपनीय कूटनीतिक दस्तावेज का मामला जब सामने आया तब कुरैशी विदेश मंत्री के पद पर आसीन थे। कथित 'सिफर' (गोपनीय कूटनीतिक केबल) में दक्षिण और पश्चिमी एशियाई मामलों के सहायक अमेरिकी विदेश मंत्री डोनाल्ड लु और पाकिस्तानी राजदूत असद मजीद खान की पिछले साल हुई बातचीत सहित अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अधिकारियों की बैठक का ब्योरा है।

पीटीआई के महासचिव उमर अयूब ने कुरैशी गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा कि उनके नेता को संवाददाता सम्मेलन के बाद घर पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया। अयूब ने कहा ?कि उम्मीद थी कि फासीवादी पीडीएम (पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट) के जाने के साथ अराजक शासन का खत्मा होगा, लेकिन ऐसा लगता है कि कार्यवाहक सरकार पूर्ववर्ती फासीवादी सरकार का रिकॉर्ड तोड़ना चाहती है। इससे पहले कुरैशी ने पार्टी में टूट की खबरों का खंडन किया था और समय से चुनाव की मांग की थी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हाल में उन्होंने दूसरे देशों के राजदूत से मुलाकात की है।

उत्तरी यूक्रेन में रूस ने किया मिलाइल हमला, सात लोगों की मौत, सैकड़ों हुए घायल

चेर्निहाइव (एजेंसी)। रूस ने उत्तरी यूक्रेन के शहर के मध्य में मिसाइल हमला किया है, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई जबकि सैकड़ों की तादाद में लोग घायल हुए हैं। यह हमला तब हुआ है जबकि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की देश पर रूस के हमले के बाद अपनी पहली यात्रा पर स्वीडन पहुंचे है। कार्यवाहक मेयर ऑलेक्ज़ेंडर लोमाको ने बताया कि उत्तरी शहर चेर्निहाइव में दिन के समय हुए हमले में मरने वालों में 6 साल की एक लड़की भी शामिल है, जबकि 117 घायलों में 12 बच्चे भी शामिल हैं। जेलेंस्की ने हमले की निंदा की और कहा कि इसमें एक थिएटर और एक विश्वविद्यालय सहित इमारतों को निशाना बनाया गया। उन्होंने टेलीग्राम

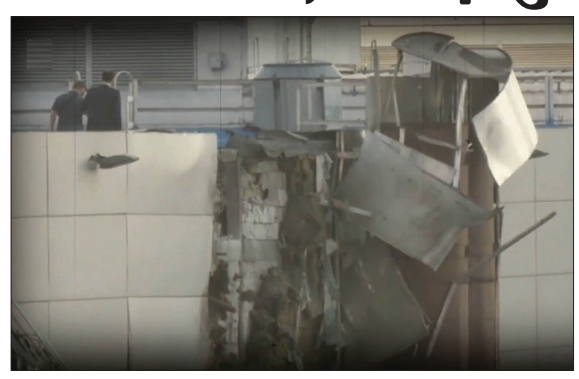

पर लिखा कि जब पड़ोस में आतंकी देश हो तो यही होता है, इसी के खिलाफ हम पूरी दुनिया को एकजुट कर रहे हैं। एक रूसी मिसाइल शहर के ठीक मध्य में, हमारे चेर्निहाइव में गिरी। एक सामान्य दिन को रूस ने दर्द और क्षति के दिन में तब्दील कर दिया।

इधर क्रिस्टरसन ने चेर्निहाइव में हुए हमले के लिए ज़ेलेंस्की के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। स्वीडन ने रूस के खिलाफ युद्ध में हथियारों और अन्य सहायता के साथ यूक्रेन का समर्थन करने के लिए सैन्य गुटनिरपेक्षता की अपनी दीर्घकालिक नीति को त्याग दिया। सरकार का कहना है कि स्वीडन ने यूक्रेन को सैन्य सहायता के रूप में 1.7 अरब यूरो प्रदान किये। इसने उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सदस्यता के लिए भी आवेदन किया था, लेकिन अभी भी गठबंधन में शामिल होने का इंतजार कर रहा है। यूक्रेन के गृहमंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि चेर्निहाइव प्रांत की राजधानी चेर्निहाइव के सिटी सेंटर में एक रूसी मिसाइल हमले में सात लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। मृतकों में छह वर्षीय एक बच्ची भी शामिल है जबकि घायलों में 12 बच्चे शामिल हैं।

विलियम लाई के अमेरिका जाने पर भड़का चीन, 25 लड़ाकू विमान पहुंचे खाड़ी पार

ताइपे ।ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई के हालिया अमेरिका दौरे से चीन भड़क उठा है। उसने अपने 25 लड़ाकू ?विमानों को खाड़ी पार करा ?दिया है। इसे धमकी के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार रविवार को ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के 25 प्लेन ताइवान की खाड़ी को पार कर उसके क्षेत्र में घुस आए। रक्षा मंत्रालय की ओर से शेयर किए गए नक्शे के मुताबिक चीन के एसयू-30 और जे-11 लड़ाकू विमानों ने उसके इलाके में उड़ान भरी। इसे ताइवान के लिए चीन की ओर से दी गई धमकी बताया जा रहा है। गौरतलब है ?कि अकसर चीन ताइवान पर अपना हक जताता रहा है और उसे वन चाइना पॉलिसी के तहत अपना हिस्सा बताता है। रिपोर्ट के मुताबिक यह नया विवाद ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई के हालिया अमेरिका दौरे को लेकर शुरू हुआ है। विलियम लाई ताइवान के राष्ट्रपति बनने की रेस में हैं और सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। ऐसे में उनकी अमेरिका यात्रा से चीन बौखला गया है।

हिलेरी चक्रवात मेक्सिको व कैलिफोर्निया में मचाएगा तबाही, बाढ़ से मचेगा हाहाकार

बाजा (एजेंसी)। हिलेरी चक्रवात बड़ी ही तेजी से मैक्सिको के बाजा कैलिफोर्निया प्रायद्वीप की ओर बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि यह अब तबाही बचाने की कगार पर पहुंचने वाला है। जो कि खतरनाक श्रेणी 1 तूफान की तरह विनाशकारी बाढ़ ला सकता है और एक उष्णकटिबंधीय तूफान के रूप में दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका में प्रवेश कर सकता है। मियामी में राष्ट्रीय मौसम केंद्र ने रात 9 बजे लेटेस्ट अपडेट में कहा कि हवा की अधिकतम गति 90 मील प्रति घंटे है और तूफान पुंटा यूजेनिया, मैक्सिको से लगभग 175 मील (281 किलोमीटर) दक्षिण और सैन डिएगो, कैलिफोर्निया से 535 मील (855 किलोमीटर) दूर था। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि कमजोर पड़ने के बावजूद तूफान खतरनाक बना हुआ है। प्रायद्वीप के पूर्वी तट पर मेक्सिकन शहर सांता रोसालिया में तेज लहरों के बीच कई गाडियां बह गई, जिसमें एक व्यक्ति की डूबकर मौत हो गई। मुलेगे टाउनशिप के मेयर एडिथ एगुइलर विलाविसेंशियो ने कहा कि बचावकर्मी चार अन्य लोगों को बचाने में कामयाब रहे। हालांकि, अब तक इस मौसमी विनाश से कितने लोग प्रभावित हुए है, इस बात का कोई स्पष्ट आंकड़ा पेश नहीं किया है।

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि तूफान रिकॉर्ड बना सकता है, क्योंकि यह 84 वर्षों में दक्षिणी कैलिफोर्निया में आने वाला पहला उष्णकटिबंधीय तूफान है, जो अचानक बाढ़, भूस्खलन, छिटपुट बवंडर, तेज हवाएं लाया है। राष्ट्रीय मौसम सेवा सैन डिएगो कार्यालय के मौसम विज्ञानी एलिजाबेथ एडम्स ने कहा कि रविवार की सुबह से दोपहर तक दक्षिणी कैलिफोर्निया के पहाड़ों और रेगिस्तानों में प्रति घंटे 3 इंच (7.62 सेंटीमीटर) तक बारिश हो सकती है। उन घंटों के दौरान तीव्र वर्षा व्यापक और जीवन-घातक बाढ़ का कारण बन सकती है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने आपातकाल की घोषणा कर दी है और अधिकारियों ने लोगों से सूर्यास्त से पहले अपनी तैयारी पूरी करने का आग्रह किया है।

हिलेरी तूफान अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में तबाही मचाने वाली नवीनतम प्रमुख जलवायु आपदा है। तूफान हिलेरी ने मैक्सिको और दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका में भारी बारिश और भयंकर बाढ़ लने वाला है। पूर्वानुमानकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि दक्षिणी कैलिफोर्निया और दक्षिणी नेवादा में 10 इंच (25 सेंटीमीटर) तक बारिश हो सकती है। यू.एस. राष्ट्रीय तूफान केंद्र के उप निदेशक जेमी रोम ने तूफान की कम स्थिति की घोषणा करने के

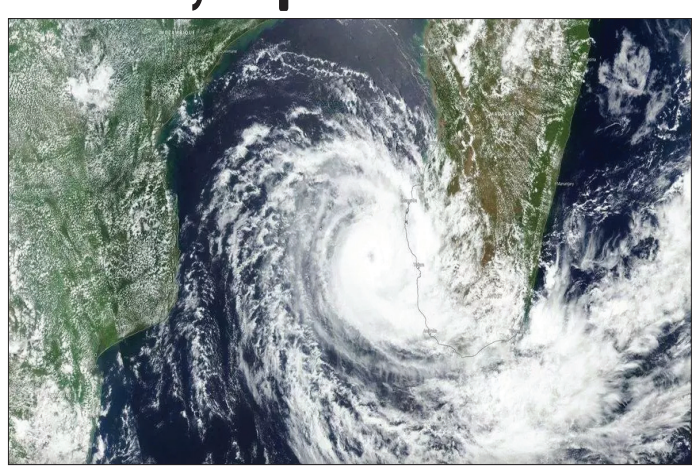

लिए शनिवार की ब्रीफिंग के दौरान कहा कि इससे खतरा कम नहीं होता है, खासकर बाढ़ का खतरा कम नहीं होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वीडियो बनाकर बीजेपी निकली प्रचार पर, राहुल ने डुबाया, मोदी ने बचाया

नई दिल्ली । इन दिनों बीजेपी का एक वीडियों तहलका मचा रहा है, उसमें सीधे-सीधे कांग्रेस पर देश डुबाने का आरोप लगाया है। दरसअल बीजेपी ने जो वीडियो बनाकर विपक्ष पर हमला किया है उस वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने बेड़ियों में जकड़ा भारत दिखाया गया है। ये बेड़ियां हैं ब्रिटिशकालीन कानून की, भ्रष्टाचार की, पॉलिसी पैरालिसिस की, लालफीताशाही की, वंशवाद की, बीजेपी ने दिखाया है कि पीएम मोदी इन बेड़ियों को तोड़ते हुए भारत को आगे ले जा रहे हैं। फिर विपक्ष के नेता आकर अड़ंगा लगा देते हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को दिखाया है कि वह इंडिया का जाल फेंक मोदी को रोकने की कोशिश करते हैं मगर मोदी सब बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ जाते हैं। राहुल लुढ़क पड़ते हैं और पीएम मोदी के साथ जनता जुड़ जाती है। विपक्ष के नेता फिर रोड़े डालते हैं, मोदी पैर मारकर उन्हें हटा देते हैं। सभी परेशानियों से भारत को बचाते हुए वीडियो के अंत में पीएम मोदी उसे तीसरी सबसे अर्थव्यवस्था के पहाड़ पर चढ़ा देते हैं। बीजेपी ने एक्स पर यह वीडियो शेयर करते हुए लिखा है कि जन-जन का विश्वास, मोदी के साथ! पीएम मोदी ने पिछले दिनों भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर कहा था कि भारत अब भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण के खिलाफ एक स्वर में बोल रहा है। मोदी ने विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण की राजनीति करने का बार-बार आरोप लगाया है। पिछले दिनों एक कार्यक्रम में मोदी ने बीजेपी कार्यकर्ताओं से भारत छोड़ो आंदोलन की तर्ज पर भ्रष्टाचार-भारत छोड़ो, वंशवाद-भारत छोड़ो, तुष्टीकरण-भारत छोड़ो अभियान चलाने का आह्वान किया था।

बालकनी से कूदकर सुसाइड की धमकी देना मानसिक क्रूरता : हाई कोर्ट

नई दिल्ली । हाई कोर्ट ने कहा है कि पति या पत्नी द्वारा बालकनी से कूदकर सुसाइड की धमकी देना मानसिक क्रूरता है। इस मामले में तलाक का फैसला बरकरार रखा जा सकता है। हाई कोर्ट ने कहा ?कि पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते हैं। इस दौरान कई बार पति या पत्नी एक दूसरे को आत्महत्या की धमकी देते हैं। मामला ठंडा होने के बाद सामान्य रूप से ये बात आई-गई हो जाती है। दिल्ली हाईकोर्ट ने साफ कहा कि पति या पत्नी की तरफ से आत्महत्या का प्रयास साथी पर मानसिक क्रूरता के समान है। हाईकोर्ट ने इस मामले में तलाक के फैसले को बरकरार रखा। हाई कोर्ट ने इस बात का उल्लेख किया कि जीवनसाथी के जीवन को लगातार डर या खतरा बने रहने से बड़ी कोई मानसिक यातना नहीं हो सकती। जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की थी। पीठ ने एक फैसले में कहा कि आत्महत्या की धमकी ने न केवल पति पर बुरा प्रभाव डाला, बल्कि वैवाहिक रिश्ते के बने रहने पर भी असर डाला। पति ने शिकायत की कि उसकी पत्नी बार-बार अपनी जिंदगी खत्म करने की धमकी देती थी। साथ ही उस पर अवैध संबंध के झूठे आरोप भी लगाती थी। हाई कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी यह स्पष्ट कर दिया है कि बार-बार आत्महत्या करने की धमकी देना और आत्महत्या का प्रयास करना विवाह में क्रूरता है। उदाहरण के लिए, एक पत्नी ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया और आत्महत्या करने के लिए मिट्टी का तेल डाला। यह मानसिक क्रूरता है। यदि वह सफल हो जाती है, तो पति का जीवन बर्बाद हो जाता। हाई कोर्ट ने कहा कि इस केस में यह स्पष्ट है कि पत्नी की तरफ से बालकनी से कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास पूरी तरह से मानसिक क्रूरता है। मानसिक क्रूरता के ऐसे कृत्य को अदालतों की तरफ से हल्के में नहीं लिया जा सकता है। यह पति को तलाक की डिक्री का अधिकार देने के लिए पर्याप्त था। आत्महत्या की धमकी के अलावा हाई कोर्ट ने पत्नी की तरफ से क्रूरता के अन्य कृत्यों को भी ध्यान में रखा। जैसे कि यह आरोप कि पति का अफेयर था। वह उसे बिना बताए 15-30 दिनों के लिए चली जाती थी। ऐसे में उसे कपल के रूप में साथ रहने के अधिकार से वंचित कर देती थी। इस तरह के आरोप को अंतिम प्रकार की क्रूरता कहा है।

ऑनलाइन ठगी का मामला : महिला ने गंवा दिए 5 लाख रुपए

मुंबई । आए दिन नए-नए ऑनलाइन ठगी के मामले सामने आ रहे हैं। अब एक नया मामला सामने आया है, इसमें एक महिला की छोटी से गलती काफी महंगी पड़ गई और उसके बैंक खाते से 5 लाख रुपए गायब हो गए। महाराष्ट्र की रहने वाली 48 वर्षीय महिला घर में कुछ बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती हैं। एक दिन अचानक उन्होंने ऑनलाइन दुनिया का सहारा लेकर एक्स्ट्रा इनकम के लिए सर्च करना शुरू किया। इसके लिए उन्होंने कई वेबसाइट्स पर विजिट किया। इसके बाद उन्हें अच्छी नौकरी का ऑफर मिला, जिसमें उन्हें अच्छी सैलरी का भी ऑफर दिया। ऑनलाइन सर्चिंग के बाद उन्हें जिस जॉब का ऑफर मिला, उसमें उन्हें वर्क फ्रॉम होम करने को कहा। यह पूरा काम ऑनलाइन था और महिला को बड़ा ही आसान लगा। स्कैमर्स ने महिला को बताया कि इस पार्ट टाइम जॉब में उन्हें कुछ ऑनलाइन लिंक प्रोवाइड किए जाएंगे। इसमें अलग-अलग सोशल मीडिया लिंक होंगे। हर एक लिंक पर क्लिक करके कमाई की जा सकती है। इसके लिए उन्हें एक टेलीग्राम ग्रुप से कनेक्ट होने के लिए कहा। महिला का भरोसा जीतने के लिए साइबर ठगी करने वालों ने पहले 1,000 रुपए और फिर 1,400 रुपए का रिटर्न दिया। एक बार भरोसा जीतने के बाद महिला को ज्यादा कमाई का लालच दिया। इसके बाद विक्टिम 5 लाख रुपए इनवेस्ट करने को सहमत हो गई लेकिन इनवेस्टमेंट करने के बाद उन्हें कुछ भी रिटर्न नहीं मिला और फिर उन्हें समझ आया कि वह ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गईं। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी और फिर साइबर फ्रॉड को लेकर मामला दर्ज कराया। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी। बताते चलें कि वीडियो, सोशल मीडिया पोस्ट और सेलिब्रिटी के पोस्ट आदि को लाइक करने के बदले कमाई का ऑफर दिया जाता है। इस स्कैम के कई लोग शिकार हो चुके हैं। ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव के लिए जरूरी है कि आप किसी भी लालच के चक्कर में ना आएं।

23 अगस्त से अस्थायी रूप से निलंबित रहेगी अमरनाथ यात्रा

जम्मू। दक्षिण कश्मीर हिमालय क्षेत्र में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की वार्षिक तीर्थयात्रा श्रद्धालुओं की कम संख्या और रास्ते की मरम्मत के कार्यों को देखते हुए 23 अगस्त से अस्थायी रूप से निलंबित रहेगी। इस संबंध में एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि भगवान शिव के पवित्र दंड 'छड़ी मुबारक' को पारंपरिक पहलगाम मार्ग से ले जाया जाएगा और इसके साथ ही 31 अगस्त को यह तीर्थयात्रा संपन्न हो जाएगी। गत एक जुलाई को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा में अब तक 4.4 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग के जरिए बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। प्रवक्ता ने श्राइन बोर्ड प्राधिकारियों के हवाले से कहा, ''तीर्थयात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आने और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा संवदेनशील मार्गों पर किए जा रहे मरम्मत एवं देखरेख के काम को देखते हुए श्रद्धालुओं को पवित्र गुफा तक जाने वाले दोनों मार्गों पर आवाजाही न करने की सलाह दी गई है।'' उन्होंने कहा, ''अत-यात्रा 23 अगस्त से दोनों मार्गों से अस्थायी रूप से निलंबित रहेगी। छड़ी मुबारक को पारंपरिक पहलगाम मार्ग से ले जाया जाएगा जिसके साथ ही 31 अगस्त को यात्रा संपन्न हो जाएगी।'' मंदिर में प्राकृतिक रूप से निर्मित हिम शिवलिंग के पिघलने के कारण 23 जुलाई से ही श्रद्धालुओं की संख्या में गिरावट आने लगी थी। इस बीच, रविवार को यहां भगवती नगर आधार शिविर से 11 वाहनों में 362 श्रद्धालुओं का नया जत्था रवाना हुआ। सभी श्रद्धालु यात्रा के लिए बालटाल आधार शिविर की ओर जा रहे हैं।

आईएमडी की चेतावनी, दिल्ली-यूपी में फिर शुरू होगा बारिश का दौर

नई दिल्ली । एक बार फिर से दिल्ली में भारी बारिश का दौर शुरु होने वाला है। इधर आईएमडी ने इसकी चेतावनी जारी होते कर दी हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों भी दिल्ली में बाढ़ आने से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया था। हालांकि देश भर में मॉनसून की बारिश की गतिविधियों में अब कमी आने लगी है। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी के मुताबिक, निम्न दबाव अब झारखंड और इससे सटे उत्तरी आंतरिक ओडिशा एवं उत्तरी छत्तीसगढ़ पर है। वहीं, मॉनसून ट्रफ अब अमृतसर, हिसार, दिल्ली, हरदोई, वाराणसी और फिर दक्षिण-पूर्व की ओर बंगाल की पूर्वोत्तर खाड़ी से होकर गुजर रही है। उत्तर भारत की बात करें तो दिल्ली और आस-पास के इलाकों में वीकेंड में हुई जोरदार बारिश के बाद लोगों को उमस से राहत मिली है। दिल्ली में 20 अगस्त 2023 को न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं, 21 से 24 अगस्त तक हल्की बारिश और बूंदाबांदी देखने को मिलेगी।

एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने अपनाई अलग रणनीति, आठ- दस दिनों में निकाल रहे बड़ी रैली

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार इन दिनों एक नई रणनीति पर काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि अब हमने विद्रोही अजीत पवार गुट का मुकाबला करने के लिए कमर कस ली है। शरद की ताजा रणनीति हर आठ से दस दिनों में राज्य के विभिन्न इलाकों में राजनीतिक महत्व की जगहों पर रैलियां करने और नए चेहरों को मंच पर लाने की है। इनमें युवाओं और महिलाओं को नेतृत्व की जिम्मेदारियां देने पर फोकस किया जा रहा है। बता दें कि शरद पवार ने अपनी पार्टी में विभाजन के बाद 17 अगस्त को महाराष्ट्र के मराठवाड़ा इलाके के बीड में अपनी दूसरी पब्लिक रैली की। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शरद पवार की अगली रैली के लिए तीन जगहों को अंतिम रूप दिया गया है। जो पुणे जिले में कोल्हापुर, जलगांव और मंचर हैं। कोल्हापुर बागी मंत्री हसन मुश्रीफ का गृह जिला है। जलगांव उत्तरी महाराष्ट्र में शरद पवार के वफादार एकनाथ खडसे का गृह जिला है। जो बीजेपी छोड़कर एनसीपी में शामिल हो गए हैं। तीसरी जगह मंचर बागी मंत्री और शरद पवार के पूर्व करीबी सहयोगियों में से एक दिलीप वाल्से-पाटिल के अंबेगांव विधानसभा सीट में है।

मिली जानकारी के अनुसार पवार द्वारा फैसला लिया गया है कि एक लंबे दौर के बजाय, रणनीतिक जगहों पर नियमित अंतराल पर रैलियां आयोजित की जाएंगी। एनसीपी के नेता ने कहा कि हमने बीड रैली का असर और इससे दूसरे समूह में पैदा हुई बेचैनी देखी है। अलग-अलग हिस्सों के लोग चाहते हैं कि पवार साहब उनके इलाके में आएं। फिलहाल हम जिला मुख्यालय जाएंगे। नियमित अंतराल पर रणनीतिक जगहों पर रैलियों के अलावा, नए और युवा चेहरों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जाएंगी। शरद पवार के पोते और कर्जत-जामखेड से विधायक रोहित पवार से भीड़ ने बीड में भाषण देने का आग्रह किया।

अब से हर रैली में अजीत पवार गुट के नेताओं को टक्कर देने के लिए जिले या निर्वाचन क्षेत्र से एक नया चेहरा भीड़ के सामने लाया जाएगा। इसके साथ ही शरद पवार की ओर से सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए लोगों को लुभाने की कोशिश की जा रही है। बीड राज्य के कृषि मंत्री और अजीत पवार के करीबी सहयोगी धनंजय मुंडे का गृह जिला है। मुंडे के कट्टर प्रतिद्वंद्वी बबन गिते पार्टी में शामिल हुए। बबन गिते ओबीसी वंजारी समुदाय से हैं।

तकनीकी समस्या में उलझा रूस का मून मिशन लूना-25, बने इमरजेंसी हालात

नई दिल्ली। रूस के मून मिशन लूना-25 में तकनीकि समस्या आ गई है। रूसी स्पेस एजेंसी ने बताया कि यही वजह है कि लूना-25 की चांद पर लैंडिग सवालों के घेरे में आ गई है। बताया जा रहा है कि लूना-25 के ऑटोमैटिक ऑनबोर्ड कंप्यूटर पर इमरजेंसी हुई है। यह स्थिति किस तकनीकि गड़बड़ी की वजह से हुई है, इसकी जांच हो रही है। रूसी स्पेस एजेंसी ने कहा कि हम इस काम को सही करने के लिए वॉरफुट पर नहीं जा सकते। इसमें समय लगेगा। ऐसे में लूना-25 के चांद पर लैंडिंग को भी वक्त लग सकता है। गौरतलब है कि रूसी अंतरिक्ष एजेंसी, रॉसकॉसमॉस ने कहा है कि लूना-25 अंतरिक्ष यान को चंद्रमा के ऊपर एक आपातकालीन स्थिति का सामना करना पड़ा है और टीमें समस्या का विश्लेषण कर रही हैं। एक बयान में कहा गया है कि प्रबंधन टीम फिलहाल स्थिति का विश्लेषण कर रही है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर भारत के चंद्रयान-3 मिशन से पहले होने वाले लैंडिंग प्रयास पर रॉसकॉसमॉस ने अभी तक कुछ भी नहीं कहा है। रूसी स्पेस एजेंसी रॉसकॉसमॉस ने कहा कि लूना-25 अंतरिक्ष यान के सामने चंद्रमा पर उतरने से पहले एक आपातकालीन स्थिति सामने आई है। स्पेस एजेंसी ने एक बयान में कहा कि लैंडिंग से पहले की कक्षा में स्थानांतरित करने के लिए थ्रस्टर चलाया गया था। ऑपरेशन के दौरान, लूना-25 के ऑटोमैटिक स्टेशन में एक इमरजेंसी की स्थिति सामने आई, जिसने इसके थ्रस्टर ऑन करने की अनुमति नहीं दी। रूसी स्पेस एजेंसी के ऑर्बिट बदलने की जो तय योजना थी। उसके अनुसार लूना-25 में एक ऑनबोर्ड कंप्यूटर लगा है। जो ऑटोमैटिकली अपना रास्ता यानी ऑर्बिट सेलेक्ट कर लेता है।

अमित शाह ने जारी किया एमपी सरकार का रिपोर्ट कार्ड, कहा- घोटालों का जवाब दे कांग्रेस

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भोपाल में भाजपा सरकार के 20 वर्षों का रिपोर्ट कार्ड जारी किया है। मध्यप्रदेश में होने वाले चुनावों को देखते हुए पार्टी ने अपनी पूरी ताकत इसके लिए झोंक दी है। इसी कड़ी में गृहमंत्री अमित शाह ने शिवराज सिंह चौहान का रिपोर्ट कार्ड जारी किया है, जिसमें 2003 से 2023 तक के कार्यों का ब्यौरा पेश किया गया है।

कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह ने शिवराज का रिपोर्ट कार्ड पेश किया है जो कि 32 पेजों की बुकलेट है। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान बेहद ही मेहनती है। हमने बीमारू राज्य को देश के विकसित राज्यों की सूची में पहुंचाने का काम किया है। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने दिग्विजय सिंह और कमलनाथ पर जमकर निशाना साधा है।

अमित शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में भाजपा की सरकार ने मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य की सूची से मुक्ति दिलाई है। मध्यप्रदेश अब आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बन गया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता ने बंटाधार सरकार को हटाकर शिवराज को चुना था जो कि ऐतिहासिक निर्णय था। राज्य अब पूरी तरह से आत्मनिर्भर बन गया है। ये देश के विकसित राज्यों की सूची में आगे है। किसी समय में बंटाधार कहलाया जाने वाला मध्यप्रदेश अब विकसित हो चुका है।

बुंदेलखंड से लेकर बघेलखंड तक, विंध्य से लेकर मालवा तक और भोपाल से लेकर प्रदेश की हर चौपाल में खुशहाली छाई है जो कि भाजपा सरकार के प्रयासों का ही नतीजा है। बीते 10 वर्षों से मध्यप्रदेश में डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के लिए अपना मन खोल दिया है। पीएम मोदी और शिवराज की जोड़ी ने मध्यप्रदेश को विकास की राह में आगे बढ़ाया है। पहले सड़कों में गड्ढे थे मगर अब यहां 10 हजार किलोमीटर की सड़कें बनाई गई है। राज्य में आठ गुणा से अधिक सड़कें है। राज्य में विकास दर 6.5 गुणा बढ़ गई है। बीते पांच वर्षों के दौरान 72 हजार किमी सड़कों की लंबाई बढ़ाई है।

उन्होंने कहा कि राज्य में योजनाओं को बनाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। हर गरीब के लिए भी संपूर्ण विकास किया गया है। राज्य में सौर्य ऊर्जा प्लांट का विकास ही खंडवा में किया जा रहा है। ओंकारेश्व में अद्वैत वेदांत संस्थान का निर्माण किया जा रहा है। इस दौरान अमित शाह ने नौ करोड़ की आबादी वाले मध्यप्रदेश से आर्शीवाद भी मांगा है।

गिनाएं कांग्रेस के घोटाले

इस दौरान अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी के घोटाले भी गिनवाए। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार के 24 घोटाले किए थे। इन घोटालों को लेकर अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी से जवाब भी मांगा। इसके अलावा उन्होंने भाजपा और केंद्र में 10 वर्ष पूरे करने जा रही मोदी सरकार की उपलब्धियों के बारे में भी बताया। अमित शाह ने कहा कि जनता को फैसला लेना होगा कि वो विकसित बनाने के लिए देश को आगे ले जाने वालों का साथ देना चाहते हैं या घोटाला करने वालों को समर्थन देना चाहते है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव से मिले रजनीकांत, नौ साल पहले की यादें हुई ताजा

लखनऊ (एजेंसी)। साउथ की फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत इन दिनों यूपी के दौरे पर हैं। उन्होंने रविवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव से मुलाकात की। उन्होंने नौ साल पहले की मुलाकात के दौरान यादों को ताजा किया। हालांकि वे शनिवार को योगी आदित्यनाथ से भी मिलने पहुंचे थे, इसके बाद रजनीकांत रविवार सुबह अखिलेश यादव के आवास पर पहुंचे। सपा मुखिया से मिलने के बाद वह अयोध्या के लिए रवाना हो गए। अखिलेश से मुलाकात के बाद रजनीकांत ने कहा कि मैं 9 साल पहले मुंबई में एक समारोह में अखिलेश यादव से मिला था और तब से हमारी दोस्ती चल रही है। उन्होंने कहा कि हम फोन पर बात करते हैं। 5 साल पहले जब मैं यहां शूटिंग के लिए आया था तब मैं उनसे नहीं मिल सका था। अब वह हैं यहां तो मेरी उनसे मुलाकात हुई। योगी आदित्यनाथ से अपनी मुलाकात को उन्होंने बढ़िया बताया। रजनीकांत से मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने भी ट्वीट किया। उन्होंने मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, जब दिल मिलते हैं तो लोग गले मिलते हैं। मैसूर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान पर्दे पर रजनीकांत जी को देखकर जितनी खुशी होती थी वो आज भी बरकरार है। हम 9 साल पहले व्यक्तिगत रूप से मिले और तब से दोस्ती है।

इससे पहले सीएम योगी से उनकी मुलाकात काफी चर्चा में रही, जब रजनीकांत ने मुलाकात के दौरान हाथ मिलाने की बजाय योगी आदित्यनाथ के पैर छू लिए। अभिनेता रजनीकांत ने शनिवार को लखनऊ के एक थिएटर में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ अपनी नवीनतम फिल्म जेलर की विशेष स्क्रीनिंग में भी भाग लिया। कुछ देर तक फिल्म देखने के बाद मौर्य ने कहा कि मुझे कुछ देर के लिए जेलर देखने का मौका मिला। मेरी पहले से प्रतिबद्धताएं थीं, और मुझे पार्टी कार्यक्रम में शामिल होना था, नहीं तो मैं पूरी फिल्म देख लेता। मैंने अभिनेता रजनीकांत की कई फिल्में देखी हैं। मैंने जो कुछ भी देखा, वह मुझे बहुत पसंद आया।

जेपी नड्डा पहुंचे हिमाचल प्रदेश, आपदा प्रभावित इलाकों का किया दौरा

शिमला । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा आज ?हिमाचल प्रदेश पहुंचे। उनके साथ केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी रविवार को हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा किया है। दोनों नेता दौरे के दौरान सबसे पहले पांवटा साहिब क्षेत्र के सिरमौरीताल गांव गए जहां उन्होंने आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। दोनों नेताओं ने यहां बादल फटने से हुए नुकसान का जायजा लिया। यहां एक ही परिवार के पांच लोगों की मलबे में दबकर मौत हो गई थी। इस दौरान जेपी नड्डा और अनुराग ठाकुर ने आपदा पीड़ित परिवार से मुलाकात भी की है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को केंद्र सरकार की तरफ से हर संभव मदद मुहैया कराने का आश्वासन भी दिया है। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार आर्थिक मदद देने में कभी पीछे नहीं रही है।

आपस में ही एक दूसरे की टांग खींच रहे इंडिया गठबंधन के घटक दल

-बंगाल में ममता बनर्जी को उनके ही करीबी ने दिया झटका, थामा कांग्रेस का हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा को टक्कर देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बने गठबंधन इंडिया के घटक दल आपस में ही एक-दूसरे की टांग खींच रहे हैं। जबकि 2024 के आम चुनावों में भाजपा को मिलकर पटखनी देने की इनकी योजना थी। इधर बंगाल में ममता बनर्जी के बेहद करीबी ने ही झटका देते हुए कांग्रेस का हाथ थाम लिया है। पश्चिम बंगाल में एक तरफ वाम दलों और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच टकराव है तो दूसरी तरफ कांग्रेस और ममता की तणमूल कांग्रेस के बीच भी घमासान जारी है। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही सीपीएम ने लोकसभा चुनावों में टीएमसी के खिलाफ सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारने की बात कही थी। इस बीच एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और ममता बनर्जी की सरकार में मंत्री फिरहाद हकीम के दामाद यासिर हैदर ने बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी की मौजूदगी में उनकी पार्टी का हाथ थाम लिया। हैदर को टीएमसी की युवा शाखा-तृणमूल युवा कांग्रेस के महासचिव पद से हटा दिया गया था। अधीर रंजन चौधरी की उपस्थिति में कोलकाता में पार्टी के राज्य मुख्यालय में कांग्रेस में शामिल होते हुए हैदर ने टीएमसी को जबरन वसूली करने वालों की पार्टी करार दिया।

गुलाम नबी का नया बयान, हिन्दुस्तान में तलवार के दम पर नहीं आया इस्लाम

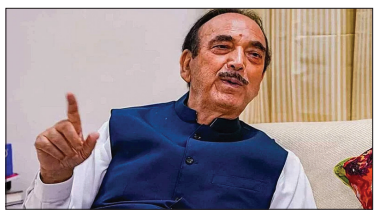

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने एक नया बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान में तलवार के दम पर नहीं आया इस्लाम बल्कि यह तो प्यार मोहब्बत और पैगाम के बल पर आया है। गुलाम नबी आजाद ने अपने हिंदू धर्म से धर्मांतरित मुसलमान वाले बयान पर सफाई देते हुए कहा कि मैंने जो कहा था, उसका पूरा वीडियो रिकॉर्ड नहीं किया गया, जिसकी वजह से जनता में भ्रम हो गया। उनका कहना है कि वह हिंदू-मुसलमान के इतिहास के बारे में बोल रहे थे। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि कुछ लोग जो हमेशा कहते हैं कि मुसलमान बाहर से आए हैं। जिसका मैं हमेशा तर्क देता हूं कि बहुत ही कम मुस्लिम बाहर से आए हैं। ज्यादातर हिंदुस्तानी मुसलमान हैं। दुनिया में और हिंदुस्तान में भी इस्लाम कभी भी तलवार के बल पर नहीं आया है बल्कि मोहब्बत, प्यार और पैगाम के जरिए आया है। बदकिस्मती से इस चीज को रिकॉर्ड नहीं किया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैंने ये भी बताया था कि हमारे मुल्क में हिंदू धर्म बहुत पुराना है और यह हकीकत है क्योंकि इस्लाम ने हमारे मुल्क में जन्म नहीं लिया बल्कि यहां फैला है। जैसे कि दुनिया में इस्लाम धीरे-धीरे कई सदियों में फैला। इस बात को रिकॉर्ड नहीं किया कि जहां मैंने कहा कि अगर इस्लाम को देखें तो हजरत आदम के जमाने से शुरू हुआ था, वो पहले इंसान थे, जिन्हें अल्लाह ने पैदा किया था। उनके जमाने से और दुनिया की कयामत तक इस्लाम जिंदा रहेगा।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद का एक वीडियो सामने आया था। इस वीडियो में आजाद जम्मू-कश्मीर के लोगों से यह कहते नजर आ रहे थे कि हिंदू धर्म इस्लाम से भी पुराना है और सभी मुसलमान पहले हिंदू ही थे। गुलाम नबी आजाद का यह वीडियो जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले का है। वह 9 अगस्त को वहां पहुंचे थे। आजाद इस वीडियो में कह रहे हैं ?कि इस्लाम का जन्म 1500 साल पहले हुआ। भारत में कोई भी बाहरी नहीं है। हम सभी इसी देश के हैं। भारत के मुसलमान मूल रूप से हिंदू थे, जो बाद में कन्वर्ट हो गए थे। आजाद के इस बयान पर पलटवार करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि भारत में लोगों का इस्लाम में परिवर्तित होने का एक लंबा इतिहास है।

पानी की बूंद-बूंद के लिए तरसेगी दुनिया....भारत में भी गहराया जलसंकट

नई दिल्ली(एजेंसी)। दुनिया की एक चौथाई आबादी वर्तमान में जल संकट से परेशान है। जनसंख्या में तेजी हो रही वृद्धि, शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और अकुशल जल प्रबंधन जैसे कारकों से पानी की कमी की व्यापक समस्या पैदा हो रही है। आशंका है कि आने वाले समय में पानी की कमी के गंभीर और दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। यह सभी समाज और पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं को ज्यादा प्रभावित कर सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक पानी की कमी वर्तमान में दुनिया भर के कई क्षेत्रों को प्रभावित कर रही है। वैश्विक समुदाय एक अद्वितीय जल आपातकाल का सामना कर रहा है, जिसमें दुनिया की एक चौथाई आबादी के बराबर 25 देश मौजूदा समय में वार्षिक जल तनाव (जल तनाव या जल संकट) के असाधारण ऊंचे स्तर से जूझ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर सालाना कम से कम एक महीने के लिए दुनिया की आधी आबादी के करीब 4 अरब लोग जल संकट का सामना कर रहे हैं। माना जा रहा है कि यह जलसंकट अगले 27-28 सालों में 2050 तक करीब 60 फीसदी तक बढ़ सकता है। इसके बेहद ही गंभीर और दूरगामी परिमाण सामने आ सकते हैं।

आंकड़ों के अनुसार साल 2050 तक सकल घरेलू उत्पाद में 70 ट्रिलियन डॉलर (वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 31प्रतिशत) उच्च जल तनाव के संपर्क में आ जाएगा जोकि 2010 में 15 ट्रिलियन डॉलर(वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 24 प्रतिशत) से अधिक है। हर चार साल में जारी होने वाली रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि साल 2050 तक सकल घरेलू उत्पाद के आधे से अधिक के लिए केवल 4 देश भारत, मैक्सिको, मिस्र और तुर्की इस समस्या से ज्यादा प्रभावित होने वाले हैं।

रिपोर्ट से पता चला कि 25 देश, जिनमें दुनिया की एक चौथाई आबादी शामिल है, हर साल अत्यधिक गंभीर जल संकट से गुजर रही है। इसमें बहरीन, साइप्रस, कुवैत, लेबनान और ओमान पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ रहा है। सूखे की छोटे अवधि काल के दौरान भी ये सभी क्षेत्र पानी की कमी की चपेट में आ सकते हैं। सबसे अधिक जल तनाव का सामना करने वाले क्षेत्रों में मुख्य रूप से मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका हैं, जहां 83 प्रतिशत आबादी अत्यधिक उच्च जल संकट का सामना कर रही है। इसके अलावा दक्षिण एशिया की करीब 74 फीसदी आबादी का अहम हिस्सा इसी तरह की स्थितियों के संपर्क में है। रिपोर्ट लेखक सामंथा कुज्मा ने बताया कि पानी की कमी का होना दर्शाता है कि हम इस अच्छी तरह से प्रबंधित नहीं कर रहे हैं, जबकि ग्रह पर पानी सबसे महत्वपूर्ण संसाधन है। उनका कहना कि वह करीब 10 सालों से पानी पर काम कर रहे

हैं। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि पूरे 10 साल की कहानी करीब-करीब वही रही है। उनका कहना है कि तत्काल जल संकट से निपटने के लिए तत्काल उपाय आवश्यक हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बालको पुलिस ने किया चोरी के आरोप में गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कोरबा,कोरबा जिले के बालकोनगर थाना क्षेत्र पुलिस ने 05 अगस्त की दरम्यानी रात्रि घटना स्थल ममता ऑटो पार्ट्स परसाभाठा से अज्ञात आरोपी द्वारा मोटर सायकल की बैटरी करीबन 9-10 नग एवं मोटर सायकल का टायर 14-15 नग एवं मोबीऑयल एवं चैन किट को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लेने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया हैं।

थाना प्रभारी बालको द्वारा तत्काल विशेष दल बनाकर पतासाजी पर लगाया गया, जो दल के द्वारा पता-तलाश लगने पर कथित आरोपी को अभिरक्षा में लेकर पुछताछ करने पर साहनी टायरी वर्कस का संचालन परसाभाठा में करना बताया और साथ ही ममता आटो पार्टस दुकान का ताला तोड़कर चोरी करना बताया। चोरी के सामान को अपने दुकान के छ्ज्जा में रखना बताया और माल को बरामद करवाया। सम्पूर्ण माल की बरामदगी करते हुए पुलिस के द्वारा उसे जप्त किया गया है। कथित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

इस कार्रवाई में निरीक्षक मंजूषा पांडे प्रभारी बालको, सहायक उप निरीक्षक मोतीलाल डनसेना, अजय सोनवानी, आरक्षक मनोज मिर्जा, आरक्षक हरीश मरावी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

निगम आयुक्तके सख्त निर्देश के बाद जागा नगर पालिक निगम का बिजली अमला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कोरबा,कोरबा जिला नगर पालिक निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर नगर पालिक निगम कोरबा के विद्युत विभाग के अमले के द्वारा कुछ स्थलों में स्ट्रीट लाइट व हाई मास्ट लाइट के सुधार, मरम्मत व आवश्यकतानुसार लाइटों को बदलने, नई लाइट लगाने का कार्य निरंतर किया जा रहा हैं। इसी कड़ी में कोसा बाड़ी, रविशंकर नगर सहित बांकीमोगरा व दर्री जोन में स्ट्रीट लाइटों व हाई मास्ट लाइटों के सुधार मरम्मत के कार्य किए गए।

नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने निगम के विद्युत विभाग के अभियंताओं को कड़े निर्देश दिए हैं कि जिले में सभी स्थानों की सड़कों पर अंधेरा ना रहे, स्थापित स्ट्रीट लाइट व हाई मास्ट लाइट जले, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित करें। निगम अमले द्वारा विगत दिनों से इस पर लगातार कार्य कर लाइटों के सुधारने व बदलने का कार्य किया जा रहा है।

निगम के सहायक अभियंता राकेश मसीह ने बताया कि इस कड़ी में वार्ड क्रमांक-8 ईमली डुग्गू बायपास रोड, भिलाई खुर्द नंबर-1, वार्ड क्रमांक-32 बालाजी मंदिर रोड, वार्ड क्रमांक-31 झगहरा बस्ती, वार्ड 23 रविशंकर नगर, वार्ड क्रमांक-28 आर.पी. नगर, वार्ड क्रमांक-52 दर्री सहित बांकीमोगरा जोन के विभिन्न भागों में स्ट्रीट लाइट के सुधार व मरम्मत पर कार्य किया गया, साथ ही आवश्यकतानुसार लाइटें बदली गई, उन्होंने बताया कि हाई मास्ट लाइटों का सुधार व मरम्मत का कार्य भी किया गया एवं बंद पड़ी लाइटें जलाई गई।

करंट युक्ततार की चपेट में आने से हुई थी दो दोस्तों की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पचपेड़ी थाना अंतर्गत ग्राम बसंतपुर में ख्ोत के पास दो लोग मृत पाए गए थ्ो। जिसकी गुत्थी सुलझा ली गई है। दोनो की मौत करंट प्रवाहित तार के चपेट में आने से हुई थी। पुलिस ने आरोपी ख्ोत के मालिक को गिरफतार कर लिया है। दरअसल 17 अगस्त की शाम करीब 7 बजे मृतक राजेश यादव 35 वर्ष अपने दोस्त लखन केवट 40वर्ष के साथ निकला था । रात को दोनों ही वापस नहीं लौटे अगले दिन सुबह मोगरा मालाकार बसंतपुर में जेठू राम केवट की बाड़ी के पास लखन केवट चित्त हालत में और राकेश यादव मुंह के बाल आसपास ही मृत पाए गए । घटना की सूचना पुलिस को दी गई । पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मार्ग पंचनामा कार्यवाही किया गया।

सब्जी चोरी रोकने लगाया था करंट युक्ततार

मृतको का पीएम रिपोर्ट सीएचसी से प्राप्त होने पर मृत्यु का कारण इलेक्ट्रिक शॉक पाया गया। मर्ग जांच के दौरान गवाहों का कथन लिया गया, गवाहों ने कथन में बताया कि देवचरण केवट अपने सब्जी बाड़ी के चारों ओर बिजली तार फैलाकर रखा है, जिसकी चपेट में आकर मृतक राजेश यादव एवं लखन केवट मृत्यु हुई है।मर्ग जांच के आधार पर आरोपी देवचरण के खिलाफ अपराध दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी ने बताया कि सब्जी चोरी रोकने के लिए उसने अपने ख्ोत के चारों ओर बिजली करंट युक्ततार बिछाया था, जिसकी चपेट में आने से राजेश यादव और लखन केंवट की मौत हो गई। आरोपी के कब्जे से बिजली तार, जीआई तार , सोलर पैनल, झटका मशीन ,बैटरी जप्त कर किया।

आरोपी देवचरण केवट उम्र 35 साल निवासी बसंतपुर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

चिरमिरी सती मंदिर को पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुसार पुरातत्विक वस्तु घोषित किया जाए और उसे संरक्षित किया जाए

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

छत्तीसगढ़ संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग सिविल लाइन रायपुर के मुख्य रासायनिक डॉक्टर के. पी. सिंह के द्वारा दिनांक 19 दिसंबर 2013 को चिरमिरी क्षेत्र में स्थित सती मंदिर का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था, इसमें उन्होंने उल्लेख किया गया था कि चिरमिरी में एक शिलालेख है जो 1351 का लिखा हुआ है. श्री वर्मा के द्वारा अपने इस प्रतिवेदन में स्थल से संबंधित कुछ सुझाव भी दिया गया था इस प्रतिवेदन के आधार पर संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग रायपुर छत्तीसगढ़ के द्वारा वर्ष 2015 में एक पत्रिका का प्रकाशन किया गया था इस पत्रिका के अनुसार अर्जुनदेव का चिरमिरी से प्राप्त 1450 का शिलालेख के संबंध में उल्लेख करते हुए अनेक प्राचीन मंदिरों का भग्नावेश, किले एवं बहुसंख्यक सती मंदिर का

प्रस्ताव किया गया था.

प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम 1958 की धारा-2 के अनुसार 100 वर्ष से पुराने प्राचीन स्मारक तथा पूरा तत्व अवशेष को संरक्षित करने का उल्लेख किया गया है. राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार के द्वारा इस पुरातत्व महत्व के प्राचीन मंदिर को संरक्षित नहीं किया गया है जिस कारण इस क्षेत्र के पुरातात्विक महत्व के शिलालेख, पत्थर, मूर्ति आदि उपेक्षित पड़े हुए हैं.

इस प्रतिवेदन और प्रस्ताव के आधार पर जो आरटीआई कार्यकर्ता श्री मिश्रा के द्वारा सूचना के अधिकार पर प्राप्त किया गया था, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका क्रमांक 3519/2019 प्रस्तुत कर चिरमिरी के सती मंदिर को संरक्षित करने का अनुरोध किया गया है.

श्री मिश्रा के इस याचिका में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा नोटिस जारी कर राज्य सरकार से जवाब मांगा गया है. इस संबंध में राज्य सरकार ने जवाब प्रस्तुत किया है.

आरटीआई कार्यकर्ता के इस याचिका के तत्काल बाद छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका क्रमांक 150 वर्ष 2022 प्रस्तुत की गई, जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के अगुवाई वाली डबल बेंच ने आईटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा के रिट याचिका को भी इसी जनहित याचिका में जोड़ देने का आदेश किया गया है अब इन याचिकाओं की सुनवाई 19 सितंबर 2023 को निर्धारित की गई है. आईटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा को स्वयं या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई हेतु आदेशित किया गया है.

हड़ताली कर्मचारियों को जारी किया गया सम्मन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.

comकोरबा ,छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनी अधिकारी कर्मचारी ओपीएस बहाली संयुक्त मोर्चा के 18 अगस्त को सामूहिक अवकाश के हड़ताल का जनरेशन कंपनी के संयंत्रों में कोई असर नहीं रहा। वहां केवल 3 प्रतिशत (81/2852) अधिकारी कर्मचारी हड़ताल पर रहे। जबकि ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में आंशिक असर रहा। ट्रांसमिशन में 26 प्रतिशत (417/1587) और डिस्ट्रीब्यूशन में 35 प्रतिशत (3250/9122) अधिकारी कर्मचारी हड़ताल पर रहे। श्रम न्यायलय द्वारा विभिन्न कर्मचारी संघों की हड़ताल को अवैध घोषित किया गया। जिसकी सूचना सभी हड़ताली संघों को होने के बावजूद भी सामूहिक अवकाश लेने वाले कर्मचारी-अधिकारी हड़ताल पर गए जिससे पावर कंपनी के कामकाज पर आंशिक असर पड़ा और आम उपभोक्ता बेवजह परेशान हुए इसे प्रबंधन ने गंभीरता से लिया है। इसलिए सभी हड़ताली विद्युत कर्मियों को सम्मन दिया जा रहा है एवं उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com